● वर्ष : 17 ● अंक : 103 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 31 जनवरी 2026

राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने किया बापू को नमन

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आज 78वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी समेत कई बड़े नेताओं ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा - राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर मेरा शत-शत नमन। पूज्य बापू का हमेशा स्वदेशी पर बल रहा, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का भी आधारस्तंभ है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व देशवासियों को कर्तव्य पथ पर चलने के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा। लोकसभा में नेता विपक्ष कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने X पोस्ट में लिखा- राष्ट्रपिता ने हमें मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताकत से बड़ी सत्य की शक्ति होती है। शुक्रवार शाम को पीएम मोदी और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन दिल्ली में गांधी स्मृति पहुंचे। यहां प्रार्थना सभा में शामिल हुए। पीएम और उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रपिता गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की।

राजघाट पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

जयराम रमेश का बीजेपी सांसद पर तंज : कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर BJP पर तंज कसा। उन्होंने X पर पोस्ट कर बिना नाम लिए पूर्व जज और BJP सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय की महात्मा गांधी और नाथूराम गोडसे को लेकर की गई टिप्पणी की आलोचना की।

जयराम रमेश ने लिखा कि महात्मा गांधी की हत्या से दो दिन पहले जवाहरलाल नेहरू ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पत्र लिखा था। इसके कुछ महीनों बाद, 18 जुलाई 1948 को सरदार वल्लभभाई पटेल ने भी श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पत्र लिखा था। इन दोनों पत्रों में स्वयं को राष्ट्रवाद का स्वघोषित संरक्षक बताने वालों पर बेहद गंभीर आरोप हैं। यह सोचकर हैरानी होती है कि उसी विचारधारा से जुड़े एक लोकसभा सांसद, जिन्हें प्रधानमंत्री का आशीर्वाद मिला है। उन्होंने यह कहा कि वह गांधी और गोडसे में से किसी एक को नहीं चुन सकते। उनकी यह मानसिकता बहुत कुछ स्पष्ट कर देती है। जयराम रमेश ने अपनी पोस्ट में 'सरदार पटेल कॉरस्पोंडेंस (1945–1950)' किताब के पत्रों के साथ 30 जनवरी 1948 की रात को ऑल इंडिया रेडियो पर जवाहरलाल नेहरू के भाषण का लिंक भी साझा किया।

शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है दिन : महात्मा गांधी की पुण्यतिथि हर साल 30 जनवरी को मनाई जाती है। 30 जनवरी 1948 को नई दिल्ली में नाथूराम गोडसे ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को देशभर में शहीद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

सत्ता की ताकत से बड़ी सत्य की शक्ति होती : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने X पर लिखा कि महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं। वह सोच जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी एक नफरत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। मगर राष्ट्रपिता ने हमें आजादी के साथ यह मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताकत से बड़ी सत्य की शक्ति होती है। हिंसा व भय से बड़े अहिंसा और साहस। यह सोच मिट नहीं सकती, क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। बापू को उनके शहीदी दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि।

ममता सरकार ने की चुनाव आयोग से केंद्रीय पर्यवेक्षकों की सूची में बदलाव की मांग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर केंद्रीय पर्यवेक्षकों की सूची में बदलाव की मांग की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने आयोग की ओर से केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में चुने गए आईएएस के 15 अधिकारियों में से 9 की जगह वैकल्पिक नामों का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने बताया कि जिन अधिकारियों को बदलने का सुझाव दिया गया है, उनमें राज्य के गृह सचिव भी शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह प्रस्ताव "प्रशासनिक और आधिकारिक आवश्यकताओं" के कारण भेजा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 9 आईएएस अधिकारियों के स्थान पर वैकल्पिक नामों का प्रस्ताव भेजा है। निर्वाचन आयोग इस प्रस्ताव की जांच करेगा और अंतिम फैसला लेगा। निर्वाचन आयोग ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के 25 वरिष्ठ अधिकारियों की एक सूची जारी की थी, जिन्हें पांच राज्यों-पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों के रूप में तैनात किया जाना है।

सूची में पश्चिम बंगाल के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा समेत 15 आईएएस अधिकारी और 10 आईपीएस अधिकारी शामिल हैं।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

कर्ज चुकाने के लिए कर्ज ले रही हैं, केंद्र एवं राज्य सरकारें?

भारत की अर्थव्यवस्था आज जिस रास्ते पर बढ़ रही है, वहां एक सवाल बार-बार उठता है, क्या केंद्र और राज्य सरकारें अब कर्ज चुकाने के लिए कर्ज लेने को मजबूर हैं? वित्त वर्ष 2025–26 में केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर करीब 27 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया है। इसमें लगभग 14 लाख करोड़ रुपये केंद्र सरकार और 12–13 लाख करोड़ रुपये राज्य सरकारों ने कर्ज लिया है। आने वाले वित्त वर्ष 2026–27 में यह आंकड़ा बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह स्थिति केवल उधारी बढ़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों के वित्तीय संतुलन, राजकोषीय घाटा की ओर वास्तविकता को दर्शा रही है। सरकारें मुख्य रूप से बॉन्ड जारी करके हर माह बाजार से पैसा जुटा रही हैं।

कर्ज में लिए हुए पैसे से सरकारी योजनाओं में दी जाने वाली राशि एवं राज्य सरकारों के खर्च को पूरा किया जा रहा है। समस्या यह है, सरकारी बॉन्ड पर ब्याजदर यानी बॉन्ड यील्ड 6.6 से 6.7 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। जैसे-जैसे ब्याजदर बढ़ती है, सरकारों पर ब्याज भुगतान का बोझ भी बढ़ता जाता है। पिछले वर्षों में राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा जो कर्ज लिया गया है, उसको वापस लौटाने में केंद्र एवं राज्य सरकारों को हर साल काफी बड़ी धनराशि खर्च करनी पड़ रही है। आज की स्थिति यह है, केंद्र सरकार अपने कुल राजस्व का लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा कर्ज के ब्याज और भुगतान में खर्च कर रही है।

राज्य सरकारों की हालत इन दिनों बेहद नाजुक हैं। कई राज्यों में टैक्स से होने वाली आय का बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान में समाप्त हो रहा है। विकास योजनाओं या सामाजिक कार्यक्रमों के लिए उनके पास बहुत ही सीमित संसाधन बचते हैं। नतीजतन, राज्यों को फिर बॉन्ड जारी करके या वित्तीय संस्थानों से कर्ज लेकर किसी तरह से भुगतान पूरे करने पड़ रहे हैं। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब केंद्र सरकार योजनाओं का वित्तीय भार राज्यों के ऊपर डाल देती है। मनरेगा जैसी योजनाओं में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ने से उन पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ेगा। संसाधनों की कमी से जूझ रहे राज्य इस बोझ को उठाने के लिए कर्ज पर कर्ज लेते चले जा रहे हैं। जिसके कारण राज्यों की अर्थव्यवस्था पूरी तरीके से गड़बड़ाती जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक पर भी दबाव साल दर साल बढ़ता जा रहा है। आने वाले समय में लाखों करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड भुगतान के लिए मैच्योर हो रहे हैं। इनका भुगतान करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को नया कर्ज लेना पड़ रहा है। राज्य सरकारों का राजकोषीय घाटा निरंतर बढ़ता चला जा रहा है। यह पूरा परिदृश्य खतरनाक रूप से आर्थिक स्थिति को दर्शाता है।.

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी के इजरायल दौरे से पहले भारत में फिलिस्तीनी विदेश मंत्री ने कहा- मध्यस्थता की उम्मीद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी इजरायल दौरे की चर्चाओं के बीच फिलिस्तीनी विदेश मंत्री वारसेन आगा शाहीन नई दिल्ली की महत्वपूर्ण यात्रा पर हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान उन्होंने भारत और फिलिस्तीन के बीच दशकों पुराने ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित करते हुए पश्चिम एशिया में भारत की संतुलित और निष्पक्ष भूमिका की जमकर सराहना की। शाहीन ने विश्वास जताया कि भारत, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष को समाप्त करने और क्षेत्र में शांति स्थापित करने में एक बेहद प्रभावशाली मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है। फिलिस्तीनी विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत के इजरायल और फिलिस्तीन, दोनों ही देशों के साथ प्रगाढ़ और सम्मानजनक संबंध हैं। इसी विशिष्ट स्थिति के कारण भारत कब्जे और हिंसा को खत्म करने में मदद करने की क्षमता रखता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून, दो-राष्ट्र समाधान और न्यूयॉर्क डिक्लेरेशन के प्रति भारत के स्पष्ट और अडिग रुख की प्रशंसा की। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में फिलिस्तीन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक व्यापक मान्यता मिलेगी, जिसमें भारत का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। अपनी पहली भारत यात्रा पर खुशी जाहिर करते हुए वारसेन आगा शाहीन ने भारत को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एक बेहद सम्मानित राष्ट्र बताया।

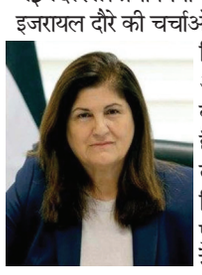

अंसारी ने गजनी को बताया हिंदुस्तानी लुटेरा

नई दिल्ली। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने एक इंटरव्यू में मोहम्मद गजनी को हिंदुस्तानी लुटेरा बता दिया है। उन्होंने कहा कि ये कहीं बाहर से नहीं आए थे, ये हिंदुस्तानी लुटेरे थे। राजनीतिक रूप से उनके बारे में बताया जाता है कि उन्होंने ये तोड़ दिया, वहां तोड़ दिया। पूर्व उपराष्ट्रपति अंसारी के कमेंट पर बीजेपी ने जोरदार पलटवार किया है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पूर्व उपराष्ट्रपति अंसारी और कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने दो टूक कहा कि अंसारी और कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम उस गजनी की तारीफ कर रहा, जिसने हमारे मंदिरों में लूटपाट की। बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि अंसारी और कांग्रेस इकोसिस्टम ने फिर से गजनी गैंग की तरह काम करते हुए गजनी का महिमामंडन किया है। वहीं मोहम्मद गजनी जिसने सोमनाथ के मंदिर को तोड़ने की हिमाकत की। वैसे कांग्रेस पार्टी, हमेशा ही सोमनाथ मंदिर का विरोध करती है, अब उनके इकोसिस्टम वाले भी कभी शरजील इमाम और उमर खालिद की तारीफ करते नहीं थकते है। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि अब वहां बोल रहे कि गजनी हिंदुस्तानी था। गिजनी को विदेशी क्यों बोला जा रहा। पूनावाला ने कहा कि ये बयान साबित करते हैं कि हिंदुओं पर अत्याचार करने वाले लोगों को हमेशा महिमा मंडित करने का काम कांग्रेस और उसका इकोसिस्टम करता है।

संस्कृति मंत्रालय की झांकी 'वंदे मातरम' को मिला प्रथम पुरस्कार

एजेंसी। नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस परेड में संस्कृति मंत्रालय ने दो बड़े पुरस्कार अपने नाम किए। 'वंदे मातरम' के 150 वर्षों के सफर को दर्शाती झांकी सर्वश्रेष्ठ चुनी गई, जबकि उसकी भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति "वंदे मातरमः भारत की शाश्वत गूंज" को इसकी विषयगत उत्कृष्टता के लिए विशेष सम्मान दिया गया। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार झांकी ने 'वंदे मातरम' गीत के 150 साल के सफर को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इसमें दिखाया गया कि कैसे बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की यह रचना राष्ट्रीय जागरण का प्रतीक बनी और स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आधुनिक भारत की एकता तक अपनी भूमिका निभाती रही। संगीत नाटक अकादमी और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (पटियाला) द्वारा आयोजित विशेष नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस प्रस्तुति में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 2,500 कलाकारों ने भाग लिया और शास्त्रीय, लोक और आदिवासी कला रूपों के माध्यम से भारत की विशाल सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित किया। इस नृत्य प्रस्तुति ने भारत की आध्यात्मिक चेतना और अमर बलिदानों की गाथा को जीवंत कर दिया। संस्कृत मंत्रों और सधे हुए नृत्य के जरिए 'वंदे मातरम' की आत्मा को मंच पर उतारा गया, जिसका गौरवशाली समापन तिरंगे को दी गई भावपूर्ण सलामी के साथ हुआ। संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ. संध्या पुरेचा ने समग्र रचनात्मक निर्देशक के रूप में सांस्कृतिक प्रस्तुति का नेतृत्व किया। ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरावानी ने संगीत निर्देशन किया, जबकि गीत सुभाष सहगल ने लिखे।

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी से पारा माइनस में पहुंचा, सोनमर्ग सबसे ठंडा रहा

एजेंसी। नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के कारण कड़ाके की ठंड सर्दी पड़ रही है। ज्यादातर इलाकों में गुरुवार रात में न्यूनतम तापमान जीरो डिग्री से नीचे रहा। सोनमर्ग सबसे ठंडा क्षेत्र रहा। यहां पारा माइनस 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुलमर्ग में -9 डिग्री और कुपवाड़ा में -3.5डिग्री तापमान रहा। इधर, मध्य प्रदेश और राजस्थान के कई जिलों में शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में भिंड रोड हाईवे पर कोहरे के कारण एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। इससे कार सवार चार लोगों की मौत

मध्यप्रदेश-राजस्थान में कोहरे के चलते सड़क हादसों में 7 लोगों की गई जानें

हो गई। मृतकों में 2 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल थे। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में नेशनल हाईवे-58 पर 5 से ज्यादा गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, 6 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हादसे के कारण हाईवे पर चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पंजाब और हरियाणा में भी शीतलहर जैसे हालात हैं। गुरुवार को दोनों राज्यों के पांच शहरों में तापमान 4 डिग्री से नीचे रहा। हरियाणा के नारनौल में पारा 2 डिग्री और भिवानी में 2.5डिग्री रिकॉर्ड हुआ। पंजाब के फरीदकोट में तापमान 3डिग्री और बठिंडा में 3.8डिग्री और फिरोजपुर में 3.4डिग्री रहा। मध्य प्रदेश में फिर बारिश होगी। मौसम विभाग ने 31 जनवरी से 2 फरवरी को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। बारिश के बाद सर्दी बढ़ेगी। दिन और रात के तापमान में गिरावट आएगी। शुक्रवार सुबह भोपाल, ग्वालियर, चंबल, सागर, जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग के 24 जिलों में सुबह-शाम तेज सर्दी के साथ कोहरा छाया रहा। पचमढ़ी समेत पांच शहरों में तापमान 10 डिग्री से कम रिकॉर्ड किया गया।

कांग्रेस शासन काल में घुसपैठियों की संख्या बढ़कर 64 लाख हुई : शाह

नई दिल्ली। असम में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव 2026 से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने दो दिवसीय असम दौरे के दौरान शुक्रवार को धेमाजी में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस के लंबे शासनकाल में असम के सात जिलों की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) पूरी तरह बदल गई और राज्य में बड़े पैमाने पर घुसपैठ हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां दावा किया कि कांग्रेस के 20 वर्षों से अधिक के शासन के दौरान असम के सात जिलों में घुसपैठियों की संख्या बढ़कर करीब 64 लाख तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि इस अवैध घुसपैठ के कारण इन इलाकों की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना पर गंभीर असर पड़ा है और स्थानीय समुदायों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। गृह मंत्री शाह के अनुसार, कांग्रेस सरकार के समय न तो सीमाओं की सुरक्षा पर ध्यान दिया गया और न ही घुसपैठ रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठाए गए। गृह मंत्री शाह ने जिन सात जिलों का विशेष रूप से उल्लेख किया, उनमें धुबरी, बरपेटा, दर्रांग, मोरीगांव, बोंगाईगांव, नगांव और गोलपारा शामिल हैं।

मैं कांग्रेस में हूं और कहीं नहीं जा रहा हूं, केरल कैंपेन का हिस्सा भी बनूंगा

तिरुवनंतपुरम। पिछले कुछ दिनों से लग रही अटकलों के बीच शशि थरूर ने खुलकर बात की। उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात के बाद अब अपना बयान जारी कर साफ कर दिया कि वे कांग्रेस में रहने वाले हैं या फिर किसी और पार्टी का दामन थामने जा रहे हैं। शशि थरूर ने शुक्रवार को कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को सिरे खारिज कर दिया और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात के एक दिन बाद सार्वजनिक रूप से कांग्रेस के प्रति अपनी वफादारी दोहराई। थरूर ने कहा कि वे कांग्रेस में ही रहेंगे। शशि थरूर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं कांग्रेस में हूं और कहीं नहीं जा रहा हूं। मैं केरल कैंपेन का हिस्सा बनूंगा और यूडीएफ की जीत के लिए काम करूंगा। आने वाले केरल विधानसभा चुनावों में मैं कांग्रेस का नेतृत्व करते हुए सबसे आगे रहूंगा। इस दौरान थरूर ने राहुल गांधी की तारीफ की और कहा कि वे एक ऐसे नेता हैं, जिनका राजनीतिक रुख साफ है। वे एक ऐसे नेता हैं, जो सांप्रदायिकता का विरोध करते हैं। थरूर ने साफ किया कि पार्टी का रुख सबसे जरूरी है, लेकिन कभी-कभी वह अपने पर्सनल ओपिनियन भी रखते हैं।

सुंदर पिचाई मुफ्त जेईई मेन मॉक टेस्ट फीचर लॉन्च करते समय हुए भावुक

एजेंसी। नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी का बॉस जेईई मेन परीक्षा की तैयारी को लेकर भावुक है। जी हां, हम बात कर रहे हैं आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र रहे सुंदर पिचाई की, जो कि अब गूगल के सीईओ हैं। सुंदर पिचाई ने जेमिनी एआई के लिए मुफ्त जेईई मेन मॉक टेस्ट फीचर लॉन्च करते हुए अपने संघर्ष के दिन याद किए। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बाबत एक पोस्ट शेयर कर नए फीचर की जानकारी दी। गूगल जेमिनी की जेईई मेन से जुड़ी पहल केवल नया फीचर नहीं, बल्कि उन लाखों मध्यमवर्गीय छात्रों के लिए उम्मीद है, जो महंगी

कोचिंग और टेस्ट सीरीज का खर्च नहीं उठा सकते। जेमिनी पर्सनल ट्यूटर की तरह टेस्ट पेपर देगा और गलतियां सुधारने के लिए एआई-बेस्ड सुझाव भी प्रदान करेगा। इससे साबित होता है कि गूगल एआई अब सिलिकॉन वैली से निकलकर भारत के उन छोटे कमरों तक पहुंचना चाहता है, जहां स्टूडेंट्स रोशनी की एक किरण और थोड़े से गाइडेंस की तलाश में दिन-रात एक कर रहे हैं। आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र सुंदर पिचाई ने जब जेमिनी का नया फीचर लॉन्च किया तो वे काफी भावुक नजर आए। उन्होंने बताया कि कैसे भारत में किसी छात्र के लिए जेईई की तैयारी केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि कठिन तपस्या जैसी होती है। उन्होंने लिखा- काश! मेरे समय में ऐसा एआई ट्यूटर होता। पिचाई का मानना है कि जेमिनी जैसे एआई टूल शिक्षा के लोकतंत्रीकरण में अहम भूमिका निभा सकते हैं, जहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल अमीरों तक सीमित नहीं रहेगी।

एसआईआर में फॉर्म-7 का दुरुपयोग कर वोटर लिस्ट से काटे जा रहे नाम?

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान फॉर्म-7 के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का आरोप लगाया है। पार्टी ने चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कांग्रेस का दावा है कि सत्तारूढ़ बीजेपी से जुड़े लोग और अज्ञात व्यक्ति टारगेट वर्गों के मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से गलत तरीके से हटाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि फॉर्म-7 का इस्तेमाल कर लाखों पात्र मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किया जा रहा है जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में कांग्रेस के मुताबिक राजस्थान से शुरू हुई शिकायतें अब

गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम और केरल समेत 12 राज्यों से सामने आई हैं। पार्टी का कहना है कि इससे साफ होता है कि यह मामला न तो स्थानीय है और न ही अलग-थलग है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि जांच में एक समान पैटर्न सामने आया है। इसके तहत केंद्रीकृत प्रणाली के जरिए पहले से छपे हुए फार्म-7 तैयार किए गए, जिनका इस्तेमाल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यकों और 60 साल से ज्यादा उम्र के वरिष्ठ नागरिकों जैसे विशेष समूहों के खिलाफ सामूहिक आपत्तियां दर्ज कराने में किया गया है। कांग्रेस ने कहा कि इन फार्म को बाद में बूथ लेवल अधिकारियों को सौंपा गया। कई मामलों में फॉर्म में आपत्ति दर्ज कराने वाले व्यक्ति की पहचान, सही मोबाइल नंबर और वैध ईपीआईसी विवरण तक दर्ज नहीं पाए गए जबकि नियमों के तहत यह अनिवार्य है। पार्टी का दावा है कि जिन लोगों के नाम आपत्तिकर्ता के रूप में दर्ज थे, उनमें से कई ने सार्वजनिक रूप से किसी भी फॉर्म को जमा करने से इनकार किया। कुछ मामलों में ये लोग बीजेपी से जुड़े बूथ लेवल एजेंट पाए गए, जबकि कई पूरी तरह अज्ञात व्यक्ति निकले। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से मांग की है कि फॉर्म के दुरुपयोग की तत्काल और स्वतंत्र जांच कराई जाए, दोषियों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई हो और जिन मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, उन्हें तुरंत जोड़ा जाए।

सच्चा न्याय वही है जिसमें किसी के साथ अन्याय न हो: अखिलेश

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लागू किए गए नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। गुरुवार को सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूजीसी प्रमोशन ऑफ इक्विटी रेग्युलेशंस 2026 के प्रावधान प्रथम दृष्टया अस्पष्ट हैं और इनके दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने केंद्र सरकार और यूजीसी से 19 मार्च तक जवाब मांगा है। कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सत्ताधारी बीजेपी ने फैसले का स्वागत करते हुए इसे संविधान, सामाजिक समरसता और सनातन मूल्यों की रक्षा से जुड़ा अहम कदम बताया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया और ईडब्ल्यूएस आरक्षण इसका उदाहरण है। वहीं निशिकांत दुबे ने भी विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में इस मुद्दे पर चर्चा तक नहीं की गई और सुप्रीम कोर्ट ने वही किया जो संविधान के अनुरूप है। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा है कि सरकार कोर्ट के आदेश का पूरी तरह पालन करेगी।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

कर्नाटक शराब घोटाले को लेकर भाजपा ने राज्य की कांग्रेस सरकार को घेरा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कर्नाटक शराब घोटाले को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। भाजपा ने कहा कि कर्नाटक की सरकार ने उसे मिले जनादेश के साथ धोखा किया है। भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कर्नाटक वाइन मर्चेंट एसोसिएशन ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर शराब घोटाले का आरोप लगाया है। यह आरोप विपक्षी भाजपा ने नहीं बल्कि कर्नाटक वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन ने सरकार पर लगाए हैं। एसोसिएशन के मुताबिक रेस्टोरेंट और होटलों को शराब लाइसेंस आवंटन के दौरान विभागों तक पैसा पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन ने 6,000 करोड़ रुपये के शराब घोटाले का आरोप कांग्रेस सरकार पर लगाया है। इस संगठन की तरफ से विस्तार से बताया गया है कि रेस्टोरेंट से लेकर होटलों तक, किस प्रकार एलॉटमेंट के नाम पर सरकार के विभिन्न स्तरों पर बैठे मंत्रियों और अन्य लोगों तक भ्रष्टाचार का पैसा जाता था। कांग्रेस के विधायक ईडी ऑनलाइन मनी लॉन्डरिंग के मामले में आरोपित हुए हैं। कर्नाटक की जनता ने जनादेश दिया था, उसके साथ बहुत बड़ा धोखा और छल किया गया है।

दिल्ली के शास्त्री पार्क में 12 वर्षीय लड़के की हत्या

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में आज सुबह एक 12 वर्षीय लड़के की हत्या कर दी गई। पुलिस को सुबह करीब 9:50 बजे सूचना मिली कि शास्त्री पार्क चौक लूप के पास एक लड़का अचेत अवस्था में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस बच्चे को तत्काल जगप्रवेश चंद्र अस्पताल ले गई।डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हत्या के पीछे के कारणों और आरोपितों की पहचान के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर दी गई हैं। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाल रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर लिया जाएगा।

दिल्ली सरकार ने जल बोर्ड की एलपीएससी माफी योजना अवधि 15 अगस्त तक बढ़ाई

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड की लेट पेमेंट सरचार्ज (एलपीएससी) माफी योजना को 15 अगस्त तक बढ़ाने की घोषणा की है। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग अपने पानी के बिलों का भुगतान करना चाहते हैं लेकिन पिछली सरकार लोगों को डराने के लिए छोटे-छोटे घरों को भी लाखों के पानी के बिल भेजे और चुनाव के दौरान उन बिलों को माफ करने के नाम पर झूठ बोला गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने लोगों की शिकायतों और अनुरोधों पर विचार करते हुए एलपीएससी योजना को 15 अगस्त तक बढ़ाने का फैसला लिया है। यह योजना पहली और आखिरी बार बढ़ाई जा रही है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि पूरी व्यवस्था को नवीनतम रखने के लिए सभी व्यक्तियों का केवाईसी सत्यापन भी कराया जा रहा है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि प्रत्येक उपभोक्ता की जानकारी, जिसमें उनका मोबाइल नंबर और घर का पता शामिल है, सटीक हो।

दिल्ली के ज्योति नगर में दंपति ने की आत्महत्या

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर में गुरुवार देर रात पति-पत्नी ने आत्महत्या कर ली। स्थानीय पुलिस को रात करीब 12:05 बजे इस आशय की सूचना मिली। यह घटना वेस्ट ज्योति नगर के एक मकान में हुई । सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जहां घर के अलग-अलग कमरों में पति और पत्नी के शव मिले। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। इसके बाद दोनों शवों को गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल भेज दिया गया । पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत कार्रवाई की है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस पारिवारिक हालात, घरेलू विवाद और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

दिल्ली महिला आयोग के ठीक से काम न करने को लेकर हाई कोर्ट में सांसद की याचिका

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। सांसद सुधाकर सिंह ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर करके दिल्ली महिला आयोग के लंबे समय से काम नहीं करने का आरोप लगाया गया है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली महिला आयोग के चेयरपर्सन का पद जनवरी, 2024 से खाली है। याचिकाकर्ता की ओर से वकील सत्यम सिंह राजपूत ने याचिका दायर करके कहा है कि दिल्ली महिला आयोग में कोई काम नहीं होता। न तो वहां कोई हेल्प डेस्क कार्यरत है और न ही कोई अधिकारी या स्टाफ महिलाओं की शिकायतों को सुनने वाला है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली महिला आयोग कार्यदिवस के दौरान बंद रहता है, जिसकी वजह से पारिवारिक काउंसलिंग या रेप क्राइसिस सेल पूरी तरह खत्म हो चुका है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली महिला आयोग का कार्यशील नहीं होना महिलाओं को न्याय और सुरक्षा पाने के संविधान के अनुच्छेद 14, 15(3) और 21 का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली में महिलाओं के साथ देश भर में सर्वाधिक मामले दर्ज होते हैं, लेकिन उसके बावजूद दिल्ली महिला आयोग का कार्यशील नहीं होना गंभीर बात है। याचिका में न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की गई है, ताकि दिल्ली महिला आयोग को एक तय समय सीमा में कार्यशील बनाकर महिलाओं की शिकायतों का निपटारा किया जा सके। याचिका में मांग की गई है कि दिल्ली महिला आयोग में चेयरपर्सन के खाली पड़े पद को तुरंत भरने के साथ ही आयोग में पर्याप्त स्टाफ नियुक्त किया जाए।

राजस्थान की झांकी ने दिल्ली में जीता सम्मान

गणतंत्र दिवस परेड में बीकानेर की उस्ता कला की शानदार प्रस्तुति के लिए मिला सम्मान

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली । 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में प्रस्तुत "राजस्थान (मरुस्थल का स्वर्णिम स्पर्श: बीकानेर स्वर्ण कला (उस्ता कला)" की झांकी ने पॉपुलर चॉइस श्रेणी में तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर राज्य का गौरव बढ़ाया है। बीकानेर की प्रसिद्ध उस्ता कला से सजी इस झांकी ने देश-विदेश के दर्शकों का बखूबी ध्यान आकर्षित करके राष्ट्रीय स्तर पर यह पुरस्कार प्राप्त किया है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ से यह पुरस्कार राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यटन, कला, साहित्य एवं संस्कृति) प्रवीण गुप्ता ने नई दिल्ली के महिपालपुर स्थित रक्षा संस्थान में ग्रहण किया। इस अवसर पर संयुक्त शासन सचिव (कला, साहित्य एवं संस्कृति) अनुराधा गोगिया एवं ललित कला अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष भी उपस्थित रहे। अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन एवं उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी के निर्देशन में गणतंत्र दिवस परेड-2026 में बीकानेर की सदियों पुरानी उस्ता कला से प्रेरित राजस्थान की झांकी ने 'सुनहरा स्पर्श' थीम के तहत राज्य की शाही विरासत, शिल्प कौशल और सांस्कृतिक गहराई को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। झांकी के डिज़ाइनर एवं पर्यवेक्षक हर्षित शर्मा के अनुसार, ट्रेलर भाग में उस्ता कला से अलंकृत घूमती हुई पारंपरिक कुप्पी, कारीगरों के सजीव दृश्य और पीछे की ओर ऊँट व उस पर सवार प्रतिमा राजस्थान की मरुस्थलीय संस्कृति का सशक्त प्रतीक बनी। झांकी में लगभग 180 डिग्री घूमती प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसकी ऊँचाई लगभग 13 फीट थी। उल्लेखनीय है कि मायगॉव प्लेटफॉर्म पर देशव्यापी जनमतदान के आधार पर पॉपुलर चॉइस श्रेणी में गुजरात को प्रथम, उत्तर प्रदेश को द्वितीय और राजस्थान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।गणतंत्र दिवस की परेड में राजस्थान की इस झांकी ने यह सिद्ध किया कि राज्य की पारंपरिक कलाएँ न केवल सांस्कृतिक विरासत हैं, बल्कि भारत की सॉफ्ट पावर और आत्मनिर्भरता की मजबूत पहचान भी हैं।

भारत ने ग्लोबल एनर्जी सेक्टर में अपनी भूमिका को और मजबूत किया : पुरी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने ग्लोबल एनर्जी सेक्टर में अपनी भूमिका को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि भारत भू-राजनीतिक बदलावों के लिए पूरी तरह तैयार है और ग्लोबल एनर्जी डायलॉग में केंद्र में बना हुआ है। इंडिया एनर्जी वीक (आईईडब्ल्यू) के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने ग्लोबल एनर्जी मार्केट में लगातार भू-राजनीतिक अस्थिरता से निपटने के लिए मजबूत तैयारी दिखाई है। भारत के वैश्विक रुख से अवगत कराते हुए पुरी ने कहा कि आज देश तीसरा सबसे बड़ा एनर्जी कंज्यूमर, चौथा सबसे बड़ा रिफाइनर और पेट्रोलियम उत्पादों के शीर्ष निर्यातकों में से एक है। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भी भारत एनर्जी की उपलब्धता, किफायती दाम और सततता सुनिश्चित करता रहेगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक इंडिया एनर्जी वीक देश का प्रमुख वैश्विक ऊर्जा प्लेटफॉर्म है, जो सरकारी क्षेत्र की हस्तियों, उद्योग जगत के अधिकारियों और नवप्रवर्तकों को एक साथ लाता है, ताकि एक सुरक्षित, टिकाऊ और किफायती ऊर्जा भविष्य की दिशा में प्रगति को तेज किया जा सके। तटस्थ अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में आईईडब्ल्यू निवेश, नीतिगत तालमेल और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देता है, जो वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य को आकार देता है।

आईएसआईसी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने अत्याधुनिक स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक की शुरुआत की: भारत का सबसे उन्नत खेल चोट उपचार केंद्र, जो पूरी तरह एकीकृत इलाज सुविधा प्रदान करता है

लोकतंत्र की शान

Dr. Vivek Mahajan, Chief of Joint Replacement and Arthroscopy, Head of Orthopaedic surgery, ISIC Multispeciality Hospital; Dr Ashish Chandra, Chief Operating Officer, ISIC Multispeciality Hospital; Ms. Bholi Ahluwalia, Chairperson, ISIC Multispeciality Hospital; Ms Sugandh Ahluwalia, Chief Strategy Officer, ISIC Multispeciality Hospital; Dr Apoorv Dua, Consultant Orthopedic, ISIC Multispeciality Hospital

नई दिल्ली: रीढ़, हड्डी और मांसपेशियों के इलाज के लिए प्रसिद्ध आईएसआईसी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने एक विशेष स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक की शुरुआत की है। यह क्लिनिक खेल से जुड़ी चोटों के लिए संपूर्ण, आधुनिक और मरीज-केंद्रित इलाज उपलब्ध कराता है। यह क्लिनिक पारंपरिक उपचार से आगे बढ़ते हुए शरीर की मूवमेंट और बायोमैकेनिकल जांच करता है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि शरीर में कौन-सी कमजोरी बार-बार चोट का कारण बन रही है। आधुनिक जांच तकनीकों के माध्यम से चोट के मूल कारण की पहचान की जाती है, जिससे दोबारा चोट लगने का खतरा कम होता है। यहां इलाज के लिए बिना चीरा और कम चीरे वाली आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है, जिनमें आर्थ्रोस्कोपी, मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी (MISS), पीआरपी थेरेपी, स्टेम सेल / बीएमएसी थेरेपी और प्रोलोथेरेपी शामिल हैं। इन तकनीकों से सटीक इलाज, तेजी से रिकवरी और लंबे समय तक बेहतर परिणाम मिलते हैं। प्री-रिहैबिलिटेशन से लेकर सही जांच, सर्जरी और वैज्ञानिक रिहैबिलिटेशन तक, यह क्लिनिक मरीज को एंड-टू-एंड केयर प्रदान करता है। "मूवमेंट ही मेडिसिन" की सोच पर आधारित यह क्लिनिक उन्नत तकनीक और विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उपचार करता है। यहां मौजूद टेक्नोबॉडी डिजिटल मूवमेंट लैब में डिजिटल मिरर वॉल, 3डी कैमरे और रियल-टाइम बायोफीडबैक की सुविधा है, जिससे एक्सरसाइज के दौरान सही पोस्चर और मूवमेंट तुरंत सुधारे जा सकते हैं। वॉकर व्यू गेट एनालिसिस के जरिए चलने और दौड़ने के तरीके की जांच की जाती है, जिससे शरीर के असंतुलन की पहचान होती है। वहीं प्रोकिन बैलेंस प्लेटफॉर्म दिमाग और शरीर के बीच संतुलन बेहतर बनाने में मदद करता है, जो एंकल स्प्रेन और एसीएल जैसी चोटों से उबरने में बेहद जरूरी होता है। क्लिनिक में हाइड्रोथेरेपी, कम दबाव वाली रिकवरी एक्सरसाइज, एडवांस्ड रोबोटिक तकनीक और 7K विज़ुअल सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, जिससे इलाज अधिक सुरक्षित और सटीक बनता है। यहां रिहैबिलिटेशन केवल मास्टर्स डिग्री प्राप्त फिजियोथेरेपिस्ट्स द्वारा किया जाता है, जो न्यूरो-मस्कुलर ट्रेनिंग में विशेषज्ञ होते हैं। इसके साथ नेचुरोपैथी और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित न्यूट्रिशन सपोर्ट भी दिया जाता है, जिससे मरीज जल्दी ठीक हो सकें और भविष्य में दोबारा चोट से बच सकें। भारत में खेल से जुड़ी चोटों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अध्ययनों के अनुसार, नियमित रूप से शारीरिक गतिविधि करने वाले लगभग हर दूसरे व्यक्ति को हड्डी या मांसपेशियों से जुड़ी चोट का सामना करना पड़ता है। इनमें घुटनों की चोट लगभग 28%, टखनों की 18%, कंधों की 10% और रीढ़ की 13% होती है। पिछले 20 वर्षों में युवा खिलाड़ियों में एसीएल इंजरी के मामले 400% से अधिक बढ़े हैं, जिसका मुख्य कारण कम उम्र में अत्यधिक प्रशिक्षण और सही रिहैबिलिटेशन की कमी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में एकीकृत स्पोर्ट्स मेडिसिन सुविधाओं की कमी के कारण कई बार इलाज अधूरा रह जाता है, जिससे चोट बार-बार लौटती है और खिलाड़ियों का करियर प्रभावित होता है। यह नया क्लिनिक इन्हीं कमियों को दूर करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। आईएसआईसी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर सुश्री सुगंध अहलूवालिया ने कहा , "आईएसआईसी की पहचान हमेशा से मूवमेंट और शरीर की कार्यक्षमता को दोबारा बहाल करने से जुड़ी रही है। स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक इसी सोच का विस्तार है, जहां प्री-रिहैबिलिटेशन और रिहैबिलिटेशन इलाज का सबसे अहम हिस्सा हैं। सही मूवमेंट एनालिसिस और विशेषज्ञों द्वारा दी गई रिहैबिलिटेशन से हम यह सुनिश्चित करते हैं कि खिलाड़ी चोट या सर्जरी से पहले और बाद—दोनों ही स्थितियों में पूरी तरह तैयार रहें।" वहीं डॉ. आशीष चंद्रा, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, आईएसआईसी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने कहा , "आईएसआईसी लगातार भविष्य के लिए तैयार आधुनिक चिकित्सा केंद्र विकसित कर रहा है। यह स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक उसी दिशा में एक बड़ा कदम है, जहां मिनिमली इनवेसिव सर्जरी, रोबोटिक रिहैबिलिटेशन, डिजिटल मूवमेंट लैब, हाइड्रोथेरेपी और रीजेनेरेटिव थेरेपी एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। इससे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी।" स्पोर्ट्स इंजरी क्लिनिक की शुरुआत के साथ, आईएसआईसी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने उन्नत ऑर्थोपेडिक और स्पोर्ट्स मेडिसिन के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान को और आगे बढ़ाया है। यह क्लिनिक खिलाड़ियों को रिकवरी, बेहतर प्रदर्शन और लंबे समय तक स्वस्थ खेल जीवन के लिए एक आधुनिक और भरोसेमंद मंच प्रदान करता है।

मुनिरका स्कूल के "तरंग" वार्षिकोत्सव में प्रदर्शनी और रंगारंग कार्यक्रमों का हुआ आयोजन, गणमान्य व्यक्ति रहें उपस्थित

» प्राचार्या सुमन कैन ने किया सभी का आभार व्यक्त

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। शिक्षा निदेशालय दिल्ली के सर्वोदय सह-शिक्षा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुनिरका ने अपना वार्षिकोत्सव"तरंग "बड़ी धूमधाम से मनाया।इस भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि आरके पुरम के विधायक अनिल कुमार शर्मा;विशेष अतिथि दक्षिणी पश्चिमी जोन ए-19 के जिला शिक्षा निदेशक हरि किशन,डीयूआरसीसी मीना कश्यप ;किशनगढ़ थाने के एसएचओ अजय कुमार यादव और एसएमसी सदस्य उपस्थित रहे। उत्साह,उमंग और जोश के साथ वार्षिकोत्सव समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन,गणेश वंदना से हुआ।विद्यालय की प्राचार्या सुमन कैन ने कार्यक्रम में आएं सभी अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक गतिविधियां नृत्य,गायन और लघु नाटिका प्रस्तुत की ।इन प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों को तैयार करने में अध्यापकों की अथक मेहनत प्रत्यक्ष दिखाई दे रही थी। विद्यालय की सजावट अद्भुत एवं अनुपम थी । समारोह के मुख्य अतिथि विधायक महोदय ने शैक्षणिक उपलब्धियों में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले छात्रों के साथ-साथ सीबीएससी दसवीं और बारहवीं के पूर्व छात्रों को पुरस्कृत किया।उन्होंने विद्यालय के राज्य स्तर, जिला व क्षेत्रीय स्तर की विभिन्न खेल,कला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विजयी छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने विद्यालय की वर्ष भर की उपलब्धियों का प्रतिबिंब वार्षिक पत्रिका "अभिव्यक्ति" का लोकार्पण किया । समारोह का मुख्य आकर्षण शिक्षा निदेशालय की महत्वाकांक्षी परियोजना निपुण संकल्प,नींव,साइंस ऑफ़ लिविंग,राष्ट्रनीति,कला संस्कृति और विभिन्न विषयों की विद्यालय में आयोजित प्रदर्शनियों की सभी ने प्रशंसा एवं सराहना की।विधायक जी ने अपनी ओर से दसवीं ग्यारहवीं और बारहवीं के सभी छात्रों को निःशुल्क परीक्षा उपयोगी प्रश्नपत्र सामग्री वितरित की।विद्यालय प्रशासन व्यवस्था में अपने सहयोग,छात्रों के उज्ज्वल भविष्य,उत्तम परीक्षा परिणाम और भविष्य में आदर्श नागरिक कैसे बने इत्यादि विषयों पर अपने प्रेरणादायक शब्दों से सभी का मार्गदर्शन किया। एसएचओ अजय जी ने एनएसएस,ईको क्लब,बैंड एवं अन्य पाठ्येतर गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए सभी का उत्साहवर्धन किया। समारोह के अंत में विद्यालय की प्राचार्या सुमन कैन द्वारा इस आयोजन को सफल बनाने वाले सभी गणमान्य अतिथियों की अनमोल उपस्थिति,उनके प्रेरणादाई शब्दों,शिक्षा निदेशालय के मार्गदर्शन, शिक्षकों की कर्मठता,छात्रों के कठिन परिश्रम,एसएमसी सदस्यों और अभिवावकों के सहयोग का आभार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद दिया गया ।भविष्य में भी अपनी उपलब्धियों और सफलताओं को ऊंचाइयों के शिखर तक पहुंचाने की मंगल कामना के साथ ही लक्ष्य प्राप्ति का संकल्प लिया। इस सुन्दर आयोजन में विद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित थे। शिक्षिका नैंसी सहरावत और विद्यार्थियों ने सुंदर संचालन किया। अंत में सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया ।

रेल मंत्रालय के सहयोग से उर्वरक आपूर्ति को मिली नई गति

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। इसी दिशा में खरीफ और रबी 2025 के दौरान रेल मंत्रालय और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के उर्वरक विभाग के बीच बेहतर तालमेल का सकारात्मक असर जमीनी स्तर पर देखने को मिला है। उर्वरक रेकों की तेज और सुचारु आवाजाही के कारण राज्यों तक समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की गई, जिससे खेती के महत्वपूर्ण दौर में किसानों को किसी प्रकार की कमी का सामना नहीं करना पड़ा। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के उर्वरक विभाग ने शुक्रवार को जारी की गई जानकारी में कहा कि रेल मंत्रालय के सहयोग से देश के हर कोने तक पर्याप्त मात्रा में खाद पहुंचाने में सफलता मिली है। विभाग का मानना है कि इस अभूतपूर्व समन्वय से खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत सरकार का संकल्प और मजबूत हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2025 में प्रतिदिन औसतन 72 उर्वरक रेक लोड किए गए, जो अगस्त में बढ़कर 78 और सितंबर में 80 रेक प्रतिदिन तक पहुंच गए। यह पिछले पांच खरीफ सत्रों में अब तक का सर्वोच्च स्तर रहा। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अप्रैल से दिसंबर 2025 तक देश के सभी राज्यों में प्रमुख उर्वरकों की पर्याप्त और संतोषजनक उपलब्धता सुनिश्चित की गई। यूरिया के लिए 312.40 लाख मीट्रिक टन की अनुमानित आवश्यकता के मुकाबले 350.45 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता कराई गई। इसी तरह प्रमुख पीएंडके उर्वरकों जैसे डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस की 252.81 लाख मीट्रिक टन की आवश्यकता के मुकाबले 287.69 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। उर्वरकों की ढुलाई में भी उल्लेखनीय तेजी दर्ज की गई। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच कुल 530.16 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों की आपूर्ति की गई, जो पहली बार 500 लाख मीट्रिक टन के आंकड़े को पार कर गई। यह पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की समान अवधि (472.58 लाख मीट्रिक टन) की तुलना में 12.2 प्रतिशत अधिक है, जबकि वर्ष 2023-24 के पूर्व रिकॉर्ड से 8.5 प्रतिशत ज्यादा है। इस अवधि में यूरिया के लिए कुल 10,841 रेक का संचालन किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 8 प्रतिशत अधिक है। वहीं पीएंडके उर्वरकों के लिए 8,806 रेक चलाए गए, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में करीब 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं।

पायलटों को साप्ताहिक अवकाश देने की नीति में कोई समझौता नहीं : डीजीसीए

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। नागरिक उड्डन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दिल्ली उच्च न्यायालय में शुक्रवार को कहा कि फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) हवाई जहाजों के पायलटों को साप्ताहिक अवकाश देने की नीति में कोई समझौता नहीं हो सकता है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने केंद्र सरकार और डीजीसीए को इस मसले पर विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान डीजीसीए की ओर से पेश वकील अंजन गोसांई ने कहा कि पायलटों को साप्ताहिक अवकाश देने की नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। डीजीसीए ने इसे वापस नहीं लिया है। गोसांई ने कहा कि केवल इंडिगो एयरलाइंस को रात के उड़ानों में ये छूट दी गई है। उच्च न्यायालय ने दिसंबर, 2025 में हवाई जहाजों की सेवाओं में व्यापक पैमाने पर बाधा के बाद फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) के नियम को निलंबित करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और डीजीसीए को नोटिस जारी किया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने डीजीसीए की ओर से पेश वकील अंजन गोसांई से कहा कि वे इस मामले पर निर्देश लेकर कल आएं। कोर्ट ने कहा कि फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन के नियम जरुर लागू होने चाहिए क्योंकि ये सीधे सीधे यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ मामला है। याचिका साबरा रॉय लेंका और दूसरे याचिकाकर्ताओं ने दायर किया है। याचिका में कहा गया है कि डीजीसीए को इस बात का अधिकार नहीं है कि वो फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन के नियम को लागू करने से रोके।याचिका में कहा गया था कि डीजीसीए ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन के नियम 2025 में लागू किए थे। इसके तहत पायलटों के काम के घंटे तय किए गए थे। उनके आराम के घंटे भी तय किए गए थे। फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन के नियम अंतर्राष्ट्रीय नियमों के मुताबिक बनाए गए थे। लेकिन जब इस नियम को लागू किया गया, तो देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी इंडिगो ने इसे ठीक से लागू नहीं किया, जिसके बाद दिसंबर 2025 में बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिल हुई, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। यात्रियों को हुई परेशानी के बाद डीजीसीए ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन के नियम को अस्थायी रुप से फरवरी तक निलंबित कर दिया, ताकि तब तक एयरलाइंस कंपनियां व्यवस्था सुधार सकें। याचिका में ये भी मांग की गई है कि एयरलाइंस कंपनियों को खुद को लो कॉस्ट यानि कम कीमत वाला कहने से रोकने का दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि एयरक्राफ्ट एक्ट के नियमों में लो कॉस्ट जैसे वर्गीकरण का कोई प्रावधान नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

विद्युत विभाग की एकमुश्त समाधान योजना (OTS) के तृतीय चरण का आज आखिरी दिन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः विद्युत विभाग की एकमुश्त समाधान योजना (OTS) के तृतीय चरण का आज आखिरी दिन जल्दी आए ज्यादा छूट पाए यह कहना है विद्युत विभाग के एसडीओ द्वितीय राजेंद्र प्रसाद का, जी हां आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार की एकमुश्त समाधान योजना OTS 2024 /25 के तहत विद्युत बिल में भारी छूट पाने के लिए 31 जनवरी आज

आखिरी दिन है इस संबंध में एसडीओ द्वितीय राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि विद्युत बिलों में छूट पाने के लिए उपभोक्ता यदि आज आखिरी दिन भी रजिस्ट्रेशन करा देते हैं तो उनके बकाया बिलों में नियमानुसार छूट प्रदान की जाएगी उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि जल्दी आए और ज्यादा से ज्यादा छूट पाए और अपना रजिस्ट्रेशन कारए, बताते चलें कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समाधान योजना के अंतर्गत तीनों ही चरणों में अब तक उपभोक्ताओं ने भारी संख्या में रजिस्ट्रेशन करा कर छूट का लाभ लिया है वही आज आखिरी दिन होने के कारण यदि उपभोक्ता आज 31 जनवरी को भी रजिस्ट्रेशन कर देते हैं तो उन्हें छूट का काफी लाभ मिलेगा।

दो सौ साल पुराने तालाब सौंदर्यीकरण में धांधली के आरोप

लोक तंत्र की शान : सीतापुर। सकरन विकास खण्ड स्थित महाराज नगर में लगभग दो सौ साल पुराने महाराजनाग तालाब के सौंदर्यीकरण में अनियमितता का मामला सामने आया है।इस प्रकरण में उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद ने जांच के निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यह मामला तब प्रकाश में आया जब शुभम रस्तोगी ने अलमाईटी शिवा एसोसिएशन संस्था को इसकी जानकारी दी।इसके बाद संस्था के सचिव आदित्य चौधरी ने अपने लेटर पैड पर इस मुद्दे को शासन स्तर तक पहुंचाया,पत्र में बताया गया कि वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के तहत तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए 49.18 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। लेकिन धरातल पर कोई कार्य दिखाई नहीं दे रहा है। तालाब की वर्तमान स्थिति बदहाल है और यह गंदगी, जल कुंभी तथा अव्यवस्था का शिकार है, जिससे इसका अस्तित्व खतरे में है। तालाब से जुड़े प्राचीन राम जानकी और शिव मंदिर की संरचना भी जर्जर होती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्वीकृत धनराशि का उचित उपयोग नहीं किया गया और कागजों में कार्य पूर्ण दिखाकर धनराशि हड़प ली गई। शासन स्तर पर मामले का संज्ञान लेते हुए अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद ने पर्यटन विभाग के अपर सचिव को मौके पर जाकर जांच करने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस प्रशासनिक कार्यवाही से क्षेत्रीय लोगों में उम्मीद जगी है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे और इस ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण सुनिश्चित होगा। ग्रामीणों ने करीब पचास लाख रुपये की स्वीकृत धनराशि के दुरुपयोग में शामिल लोगों पर कार्यवाही की मांग भी की है।

छात्रों की पढ़ाई से खिलवाड़

लोक तंत्र की शान : सीतापुर। विकास खण्ड मछरेहटा की ग्राम सभा सहिला में विकास के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। यहां स्थित एल.आर.पी. सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज तक जाने वाला रास्ता बदहाली की हदें पार कर चुका है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। पंचायत भवन से लेकर इण्टर कॉलेज तक का मार्ग इतना जर्जर है कि छात्र-छात्राओं का स्कूल पहुंचना किसी जोखिम से कम नहीं रह गया है।विद्यालय प्रशासन द्वारा मुख्य विकास अधिकारी को भेजे गए पत्र में साफ तौर पर बताया गया है कि रास्ते पर जलभराव और कीचड़ के कारण बच्चों को रोजाना भारी परेशानी झेलनी पड़ती है।बरसात के दिनों में स्थिति और भयावह हो जाती है,जब छात्र-छात्राएं गिरते- पड़ते किसी तरह विद्यालय पहुंचते हैं। सवाल यह है कि क्या किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है? प्रशासन की उदासीनता इस कदर हावी है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दे को भी नजरअंदाज किया जा रहा है। ग्रामीणों और अभिभावकों का आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। परिणामस्वरूप बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा दोनों दांव पर लगी हुई हैं,विद्यालय प्रशासन और स्थानीय लोगों ने पंचायत भवन सहिला से लेकर एल. आर. पी. सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज तक पक्का रास्ता बनवाने की मांग की है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन कब जागेगा और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कदम उठायेगा।

तेंदुए के हमले में एक 45 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल,, मेडिकल कॉलेज में चल रहा है इलाज

लोक तंत्र की शान : मिहींपुरवा बहराइच/गुरुवार को कतर्निया घाट वन्य जीव प्रभाग के दो अलग-अलग रेंज में तेंदुए के हमले की घटना हुई। जहां तेंदुए के हमले में निशान गाड़ा रेंज के एक गांव में एक 6 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना मुर्तिहा रेंज की है जहां पर नित्य क्रिया करने गए एक 45 वर्षीय युवक पर तेंदुए ने हमला कर दिया जिसका उपचार मेडिकल कॉलेज बहराइच में चल रहा है। कतर्निया घाट वन्य जीव प्रभाग क्षेत्र के मुर्तिहा रेंज अंतर्गत सेमरी घटही के मजरा गिरधरपुरवा में गुरुवार शाम लगभग 6:30 बजे गांव से बाहर नित्य क्रिया के लिए गए तीरथ पुत्र रघुवीर उम्र 45 वर्ष पर तेंदुए ने हमला कर दिया। स्वयं को बचाने के चक्कर में तीरथ जोर-जोर से चिल्लाने लगे शोर सुन आसपास के ग्रामीण बचाने के लिए दौड़े तभी तेंदुआ घायल कर तीरथ को छोड खेतों की तरफ भाग गया। परिजनों द्वारा घटना की सूचना रेंज कार्यालय को दी गई। सूचना पर पहुंचे बनकर्मियों द्वारा एंबुलेंस से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोतीपुर भेज दिया गया।

राष्ट्रपिता की पुण्य तिथि पर सीएम योगी ने बापू को किया नमन

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के जीपीओ पार्क में स्थापित गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धा व सम्मान के वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बापू को नमन किया। इसके बाद कुछ क्षण मौन रहकर उन्होंने राष्ट्रपिता को स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर भी बापू को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए आमजन से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।

भजनों से गूंजा कार्यक्रम स्थल-श्रद्धांजलि समारोह के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा महात्मा गांधी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति दी गई। 'रघुपति राघव राजाराम' सहित अन्य भजनों की मधुर धुनों से जीपीओ पार्क गूंज उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एकाग्रता के साथ लगभग 15 मिनट तक बैठकर भजनों को सुना। इस दौरान उन्होंने न केवल बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की, बल्कि गांधी प्रतिमा के समक्ष सभी स्कूली बच्चों के साथ फोटो भी खिंचाई।

सत्य और अहिंसा का संदेश- इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर बापू को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 'राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन। श्रद्धेय बापू का सत्यनिष्ठ आचरण, अहिंसा की उनकी अडिग साधना और मानवता के प्रति अनन्य करुणा, संपूर्ण विश्व को सदैव आलोकित करती रहेगी। आइए, बापू के आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें।'

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर दीपदान कर मुख्यमंत्री ने दिया शांति-सद्भाव का संदेश

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ स्थित शहीद स्मारक स्थल पर आयोजित दीपदान एवं भजन-संध्या कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने महात्मा गांधी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर भजन-संध्या में भाग लेते हुए दीपदान भी किया। उन्होंने महात्मा गांधी तथा स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए वीर बलिदानियों को पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान गांधीजी के प्रिय भजन "रघुपति राघव राजा राम..." में स्वयं शामिल होकर मुख्यमंत्री ने गांधीजी के आदर्शों के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। भजन-संध्या के पश्चात मुख्यमंत्री शहीद स्मारक के समीप गोमती तट पर पहुंचे और महात्मा गांधी व स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों की स्मृति में दीपदान किया। दीपदान के माध्यम से उन्होंने समाज में शांति, सद्भाव व सकारात्मक ऊर्जा का संदेश दिया। इस अवसर पर एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल सहित अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे।

हसनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कुष्ठ रोग उन्मूलन की शपथ दिलाई गई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विकसित भारत अभियान के तहत एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना और समाज को गंभीर बीमारियों से मुक्त करना था इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों और नागरिकों को कुष्ठ रोग उन्मूलन के लिए सामूहिक शपथ दिलाई गई, यह शपथ का कार्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर ध्रुवेंद्र सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ सपथ में कुष्ठ रोग से जुड़ी भ्रांतियां को दूर करने और प्रभावित व्यक्तियों के साथ भेदभाव न करने का संकल्प दिलाया गया इस संबंध में डॉक्टर डॉ ध्रुवेंद्र सिंह ने बताया कि कुष्ठ रोग का उपचार संभव है और समय पर पहचान होने से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है उन्होंने जोर देकर कहा कि विकसित भारत का सपना तभी सरकार होगा जब देश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ और रोग मुक्त होगा, शपथ ग्रहण समारोह में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सक्रिय सहभागिता दिखाई,इस अभियान का मुख्य लक्ष्य कुष्ठ रोग के मामलों की जल्द पहचान करना और समाज के में इसके प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है, उपस्थित स्टाफ ने गांव गांव जाकर लोगों को इस रोग के लक्षण और सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध मुफक्त इलाज के बारे में जानकारी देने का भी संकल्प लिया, इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर डॉ धुर्वेंद्र सिंह, फार्मासिस्ट मनोज जोशी, डॉ ब्रह्मानंद, डॉक्टर अनुज, सनी आदि स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

विकास के मोर्चे पर उत्तर प्रदेश की बढ़त कई योजनाओं में बना देश में नंबर वन

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने केंद्र व राज्य की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के दम पर विकास के हर मोर्चे पर देश में मजबूत स्थिति दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं में पहला स्थान हासिल कर रहा है। इससे शासन-प्रशासन की परिणाम आधारित कार्यशैली स्पष्ट रूप से सामने आई है। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश ने योजनाओं को कागज से जमीन तक पहुंचाने का कार्य किया है। यही कारण है कि आवास, कृषि, उद्योग, इन्फ्रास्ट्रक्चर, ऊर्जा, डिजिटल गवर्नेंस व शिक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रदेश लगातार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सुदृढ़ उपस्थिति दर्ज करा रहा है। कारोबारी सहूलियत (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) के मामले में प्रदेश टॉप अचीवर्स स्टेट है। 'प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी' के अंतर्गत आवास निर्माण में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर रहा है। पिछले पौने नौ वर्षों में लगभग 62 लाख परिवारों को पक्के घर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इससे गरीब व मध्यम वर्ग के जीवन स्तर में ठोस सुधार हुआ है। 'अटल पेंशन योजना' के अंतर्गत पंजीकरण के मामले में भी उत्तर प्रदेश ने देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। प्रदेश में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का दायरा तेजी से बढ़ा है। औद्योगिक विकास को प्राथमिकता देते

हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने सूक्ष्म, लघु व मध्यम (एमएसएमई) उद्योगों को मजबूती दी है। देश में सर्वाधिक, 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों की स्थापना उत्तर प्रदेश में हो चुकी है। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हुआ है। सरकार का फोकस स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर रहा है। कृषि क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश लगातार अपनी अग्रणी भूमिका बनाए हुए है। गन्ना, चीनी, खाद्यान, आम, दूध व आलू के उत्पादन में प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। किसानों को कृषि निवेश पर मिलने वाली अनुदान राशि का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जा रहा है। इससे पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई। इस व्यवस्था को लागू करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बना है।

जिसकी सोच में अवाम, जिसकी राह में विकास- वही है सम्भल का भरोसाः चौधरी मुशीर अली ख़ान

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

"जब नेता अपने लिए नहीं, लोगों के लिए जिए — वहीं से इतिहास बनता है" जैसे के चौधरी मुशीर अली खान हर वक्त जनता के समर्पित है सम्भल की राजनीति में आज जिस नाम को ईमानदारी, हमदर्दी और जनसेवा के साथ जोड़ा जा रहा है, वह नाम है चौधरी मुशीर अली ख़ान, जो वर्तमान समय में नगर पालिका सम्भल के चेयरमैन पति हैं। चौधरी मुशीर अली ख़ान की पहचान केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में नहीं, बल्कि अवाम के लिए समर्पित एक सच्चे समाजसेवी के रूप में बनी है। वे हर वर्ग, हर समाज और हर मोहल्ले के लोगों के सुख-दुख में लगातार साथ खड़े दिखाई देते हैं। जनता की समस्या को अपनी समस्या समझना ही उनकी राजनीति की सबसे बड़ी ताक़त है। चेयरमैन पति होने के बावजूद उन्होंने कभी सत्ता का दिखावा नहीं किया। वे लगातार ज़मीनी स्तर पर सक्रिय रहकर आम जनता की परेशानियों को सुनते हैं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य कराते हैं। यही कारण है कि नगर पालिका क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे सम्भल विधानसभा क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका की चर्चा आम है। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि उनकी पत्नी के नेतृत्व में नगर पालिका सम्भल में रिकॉर्डतोड़ विकास कार्य कराए गए हैं। सड़क निर्माण, नाली व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता अभियान, सौंदर्यीकरण एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार ने शहर की तस्वीर बदलने का कार्य किया है। जनता का मानना है कि इतने व्यापक स्तर पर विकास कार्य पहले कभी देखने को नहीं मिले। चौधरी मुशीर अली ख़ान की सोच केवल वर्तमान तक सीमित नहीं है। वे आने वाले समय में सम्भल को शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करने का विज़न रखते हैं। बेहतर स्कूल, आधुनिक अस्पताल, युवाओं के लिए अवसर और हर वार्ड तक संतुलित विकास उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि वे एक ऐसे नेता हैं जो नारे नहीं, नीयत से काम करते हैं। उनकी सादगी, मिलनसार स्वभाव और जनता के प्रति संवेदनशीलता उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। आज सम्भल की जनता उन्हें भविष्य के एक मज़बूत और भरोसेमंद नेतृत्व के रूप में देख रही है। जिस तरह वे लगातार जनता के बीच रहकर सेवा कर रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि चौधरी मुशीर अली ख़ान की राजनीति का मूल मंत्र केवल एक ही है — अवाम की सेवा और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास।

कृष्ण लीला में पहुंचे कुंवर पाल खड़कवंशी का ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर/काकाठेरः गुरुवार की रात्रि भाजपा जिला महामंत्री किसान मोर्चा अमरोहा एवं जिला पंचायत सदस्य कुंवरपाल सिंह खड्गवंशी ने गांव काकाठेर में चल रही श्री कृष्णा लीला में पहुंचकर भगवान श्री कृष्ण जी का आशीर्वाद लिया, इसी बीच अपने बीच कुंवरपाल खड़कवंशी को देखकर ग्रामीणों ने मंच पर पहुंचकर भाजपा नेता एवं जिला पंचायत सदस्य कुंवरपाल सिंह खड़कवंशी का फूल माला पहनकर जोरदार स्वागत किया, वही इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य कुंवरपाल सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि वह हमेशा सुख दुख में हर क्षेत्रवासी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं, उन्होंने कहा कि आप लोगों का इतना प्यार और सम्मान पाकर में अपने आप को गौरवांवित महसूस कर रहा हूं वहीं उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया इस मौके पर राजेंद्र सिंह, डॉक्टर मुकेश सिंह, डॉक्टर महावीर सिंह, खूबचंद प्रधान, डॉक्टर उमेश कुमार, हेम सिंह, छोटे सिंह आदि सहित भारी संख्या संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

राष्ट्रीय दलित पिछड़ा वर्ग (भारत) ने अधिशासी अधिकारी को 6 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को राष्ट्रीय दलित पिछड़ा वर्ग भारत के प्रतिनिधि मंडल ने हसनपुर नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह को वाल्मीकि समाज व सफाई कर्मियों से संबंधित 6 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा, जिसमें नगर में उचित स्थान पर महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिमा लगाए जाने की मांग प्रमुखता से रखी गई, साथ ही कर्मचारियों को गर्म व ठंडी वर्दी वितरित की जाने की भी मांग रखी, तथा आबादी के हिसाब से कर्मचारियों की बढ़ोतरी किए जाने, आउटसोर्स कर्मचारी का बोझ कम किए जाने, कंबल वितरण में वाल्मीकि समाज की भागीदारी अधिक से अधिक सुनिश्चित किए जाने, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत वाल्मीकि समाज को अधिक से अधिक आवास आवंटित किए जाने आदि को लेकर ज्ञापन सौंपा गया,इस मौके पर विजय पारछा राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री राष्ट्रीय दलित पिछड़ा वर्ग भारत,अजय पाल प्रदेश मंत्री राष्ट्रीय दलित पिछड़ा वर्ग भारत, कमल राय उत्तर प्रदेश सफाई कर्मचारी संघ नगर अध्यक्ष,महेश जिला उपाध्यक्ष राष्ट्रीय दलित पिछड़ा वर्ग भारत,राकेश कुमार,सनम पाल,सुभाष आदि मौजूद रहे।

ग्रामीण भारत को संपत्ति अधिकारों का उपहार, एक करोड़ से अधिक घरौनियों का वितरण

- स्वामित्व योजना से गांव-गांव मजबूत हुए कानूनी अधिकार
- भूमि विवादों में कमी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिला संबल

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण संपत्ति अधिकारों को लेकर बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए प्रदेश में अब तक एक करोड़ से अधिक घरौनियों का वितरण किया जा चुका है। यह पहल न केवल ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति पर कानूनी अधिकार प्रदान कर रही है, बल्कि दशकों से चले आ रहे भूमि विवादों के समाधान और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हो रही है।

ग्रामीण स्वामित्व को मिली कानूनी मजबूती-स्वामित्व योजना के तहत गांवों की आबादी भूमि में रहने वाले परिवारों को उनकी संपत्ति का विधिक प्रमाण उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से अब तक 72,961 ग्रामों में प्रपत्र-10 (डिजिटाइज्ड) जारी किए जा चुके हैं, जो सर्वे योग्य ग्रामों का लगभग 80.59 प्रतिशत है। इससे ग्रामीणों को पहली बार अपने मकान और भूमि पर स्पष्ट कानूनी स्वामित्व प्राप्त हुआ है। यह दस्तावेज अब बैंक ऋण, सरकारी योजनाओं और अन्य वित्तीय सुविधाओं के लिए भी मान्य आधार बन गया है।

घरौनी बनी आर्थिक सुरक्षा की कुंजी-राजस्व विभाग द्वारा सहमति के आधार पर अब तक 1,14,43,688 घरौनियां तैयार की जा चुकी हैं, जिनमें से 1,01,31,232 घरौनियों का वितरण ग्रामीण परिवारों को किया जा चुका है। घरौनी केवल स्वामित्व का प्रमाण नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने वाला एक सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। इसके जरिए ग्रामीण परिवार अब औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ रहे हैं, स्वरोजगार और छोटे व्यवसायों के लिए ऋण ले पा रहे हैं तथा सामाजिक रूप से अधिक सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

भूमि विवादों में कमी, प्रशासनिक व्यवस्था सुदृढ़-स्वामित्व योजना के प्रभाव से गांवों में भूमि और मकान से जुड़े विवादों में उल्लेखनीय कमी देखी जा रही है। स्पष्ट रिकॉर्ड और डिजिटल दस्तावेजों के कारण फर्जी दावों और अवैध कब्जों पर प्रभावी रोक लगी है। इससे न केवल ग्रामीण स्तर पर शांति और विश्वास बढ़ा है, बल्कि न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ भी कम होने की उम्मीद है। योगी सरकार की यह पहल सुशासन और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में एक ठोस कदम मानी जा रही है।

निरंतर जारी है वितरण प्रक्रिया-सरकार द्वारा घरौनियों के वितरण की प्रक्रिया लगातार आगे बढ़ाई जा रही है। 18 जनवरी 2025 के बाद 13,12,456 नई घरौनियां तैयार की जा चुकी हैं, जिनका वितरण चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। आने वाले समय में लाखों और ग्रामीण परिवारों को संपत्ति स्वामित्व का लाभ मिलेगा। सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र परिवार इस योजना से वंचित न रहे।

ड्रोन तकनीक से सर्वे की संभावनाएं-स्वामित्व योजना के अंतर्गत प्रदेश के 1,10,344 अधिसूचित ग्रामों में से 90,530 ग्राम ऐसे हैं, जहां ड्रोन सर्वे कराया जाना तकनीकी रूप से संभव है। इन ग्रामों में आधुनिक तकनीक के माध्यम से सर्वे कर सटीक और पारदर्शी डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किए जा रहे हैं। योगी सरकार की डिजिटल गवर्नेंस नीति के अनुरूप यह तकनीक भविष्य में ग्रामीण भूमि प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी। कुल मिलाकर, स्वामित्व योजना के माध्यम से योगी सरकार ने ग्रामीण समाज को संपत्ति अधिकार, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सम्मान का मजबूत आधार प्रदान किया है, जो उत्तर प्रदेश को देश में भूमि सुधार और ग्रामीण सशक्तिकरण का अग्रणी राज्य बना रहा है।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में विधायक सुजीत पासवान रोड एक्सीडेंट में बचे, पिकअप वैन से टकरा गई कार

हाजीपुर। वैशाली में एक सड़क दुर्घटना में राजनगर विधानसभा के विधायक सुजीत कुमार पासवान बाल-बाल बच गए। उनकी गाड़ी हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग पर एक पिकअप वैन से टकरा गई। यह घटना काजीपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 22 (NH-22) पर धोबगट्टी के पास हुई। जानकारी के अनुसार, विधायक सुजीत कुमार पासवान अपनी गाड़ी में पांच अन्य लोगों के साथ मधुबनी से पटना जा रहे थे। उनकी गाड़ी आगे चल रहे एक पिकअप वाहन से पीछे से टकरा गई। बताया जा रहा है कि पिकअप वाहन ने अचानक ब्रेक लगा दिया था, जिसके कारण यह टक्कर हुई। दुर्घटना के बाद पिकअप वैन चालक मौके से फरार हो गया। विधायक के बॉडीगार्ड निरंजन कुमार ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि टक्कर में कार चालक को हल्की चोटें आई हैं, जबकि विधायक जी पूरी तरह सुरक्षित हैं। घटना के तुरंत बाद विधायक सुजीत कुमार पासवान पटना के लिए रवाना हो गए।

पटना के बाढ़ अनुमंडल में डॉक्टरों की भारी कमी, सर्जन, मानसिक रोग सहित आंख का नहीं हो रहा इलाज

पटना। पटना के बाढ़ अनुमंडल में स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने के लिए लगभग 50 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। बावजूद इसके यहां के सभी पीएचसी, सीएचसी और अनुमंडलीय अस्पताल केवल रेफरल सेंटर बनकर रह गए हैं। यहां गंभीर या कम गंभीर मामलों में भी मरीजों को तुरंत पटना रेफर कर दिया जाता है, जिससे कई बार रास्ते में या इलाज के दौरान उनकी मौत हो जाती है। गुरुवार को बाढ़ विधायक डॉ. सियाराम सिंह ने बेलछी पीएचसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें वहां की सभी सुविधाएं सही मिलीं। बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल पर लगभग 10 लाख आबादी की स्वास्थ्य जिम्मेदारी है। यहां हर महीने सैकड़ों पोस्टमार्टम किए जाते हैं, लेकिन ओपीडी में मरीजों के लिए अल्ट्रासाउंड, दांतों का एक्स-रे और आंखों की जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। आपातकालीन स्थिति में भी मरीजों को प्राथमिक उपचार के अलावा कोई विशेष व्यवस्था नहीं मिलती। शरीर के किसी हिस्से में हल्की चोट या फ्रैक्चर होने पर मरीजों को तुरंत पटना रेफर कर दिया जाता है। लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से नया भवन बनने के बावजूद सुविधाओं की कमी के कारण मरीज निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर हैं। अस्पताल में मौजूद लोगों का कहना है कि, अस्पताल के प्रसव विभाग में सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा नहीं है। यहां केवल सामान्य प्रसव वाली महिलाओं को भर्ती किया जाता है। ऐसे में जरा भी गंभीर स्थिति होने पर उन्हें पटना रेफर कर दिया जाता है। आरोप है कि अस्पताल के बाहर दलाल सक्रिय रहते हैं, जो प्रसूता के परिजनों को बहला-फुसलाकर निजी अस्पतालों में ले जाते हैं, जिससे निजी अस्पतालों को भारी मुनाफा होता है। अस्पताल के उपाधीक्षक विनय कुमार चौधरी ने बताया कि अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ, मानसिक रोग विशेषज्ञ और नेत्र रोग विशेषज्ञ नहीं हैं। एक सर्जन थे, जिनका तबादला आरा हो गया है, जिससे अब सर्जन भी उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एक हड्डी रोग विशेषज्ञ ज्वाइन करने के बाद से अनुपस्थित चल रहे हैं, जिसकी सूचना विभाग को लिखित रूप में दी गई है। उपाधीक्षक ने कहा कि वे अस्पताल में सभी विभागों के डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए लगातार पत्र भेजते रहते हैं।

ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से भ्रमण की अनुमति दी जा रही-प्रिंसिपल

हाजीपुर। वैशाली के चकसिकंदर स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, वैशाली में उच्च माध्यमिक विद्यालय महीनद्वारा के छात्र-छात्राओं ने एक शैक्षणिक भ्रमण किया। बिहार सरकार के विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित इस महाविद्यालय में छात्रों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया। यह भ्रमण प्रधानाचार्य मालती कुमारी तथा सहायक अध्यापकों विपिन कुमार, पप्पू गुंजन और खुशबू कुमारी की देखरेख में संपन्न हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार ने बताया कि विभिन्न विद्यालयों से शैक्षणिक भ्रमण के लिए लगातार आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। छात्रों के ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से इन भ्रमणों की अनुमति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अभियंत्रण महाविद्यालय की प्रयोगशालाओं का भ्रमण छात्रों में व्यापक और उन्नत सोच विकसित करने में सहायक होगा। भ्रमण के दौरान, छात्रों ने भूतल पर स्थित मैकेनिकल इंजीनियरिंग और सिविल इंजीनियरिंग की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया। यहां उन्होंने मशीनों की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इसके बाद, छात्रों ने महाविद्यालय के प्रथम तल पर स्थित रसायन विज्ञान प्रयोगशाला का भ्रमण किया, जहां उनकी जिज्ञासाओं का संतोषजनक समाधान किया गया। उन्होंने द्वितीय तल पर स्थित केंद्रीय ग्रंथालय का भी अवलोकन किया, जिससे उन्हें एक आदर्श पुस्तकालय की कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिला। द्वितीय तल पर ही स्थित लैंग्वेज लैब को छात्रों ने उत्सुकता से देखा। सहायक प्राध्यापक साईनाथ विश्वकर्मा ने उन्हें बताया कि इस लैब में अंग्रेजी के अतिरिक्त जापानी, जर्मन और फ्रेंच जैसी तीन विदेशी भाषाओं की भी पढ़ाई होती है। छात्रों ने कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभागों का भी भ्रमण किया और अपने मन में उठ रहे सवालों के संतोषजनक उत्तर प्राप्त किए। छात्र-छात्राओं के भ्रमण का मार्गदर्शन इंजीनियरिंग कॉलेज के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार शाह, प्रो. सुधीर कुमार ठाकुर तथा अनुदेशक पंकज सुमन एवं कर्मचारी संतोष कुमार सिंह के द्वारा किया गया। जिससे छात्र-छात्राओं को अनुशासित ढंग से भ्रमण कराया गया। छात्र-छात्राएं बड़े ही उत्सुक और भावुक नजर आए। उत्सुकता बस उठ रहे सवालों के संतोषजनक जवाब से छात्र-छात्राएं पूर्ण संतुष्ट नजर आए। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आए दिन विभिन्न शिक्षण संस्थानों से छात्र-छात्राओं का जत्था इंजीनियरिंग कॉलेज के भ्रमण के लिए शैक्षिक-भ्रमण के तहत प्राचार्य के अनुमति से आ रहे हैं। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं को बेहतर करने की दिशा में प्रेरणा प्राप्त हो रही है।

सोनपुर मंडल ने 44.80 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया वित्तीय वर्ष में टिकट चेकिंग अभियान से मिली सफलता

हाजीपुर। सोनपुर मंडल के वाणिज्य विभाग ने 28 जनवरी 2026 को एक व्यापक मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रौशन कुमार के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान से सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इस विशेष जांच अभियान के दौरान, टिकट जांच टीमों ने विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में कुल 3017 ऐसे यात्रियों को पकड़ा जो बिना टिकट या अनियमित टिकट पर यात्रा कर रहे थे। इन यात्रियों से 20,40,023 रुपये का राजस्व वसूल किया गया। सोनपुर मंडल में सघन टिकट जांच अभियान लगातार जारी हैं। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक कुल 6,68,849 बेटिकट यात्रियों से 44,80,31,753 रुपये का रेल राजस्व प्राप्त किया जा चुका है। मंडल के अधिकारियों ने बताया कि यह सफलता यात्रियों में टिकट लेकर यात्रा करने की बढ़ती जागरूकता, मंडल की सतत निगरानी और टिकट जांच टीमों की कार्यशैली का परिणाम है। सोनपुर मंडल के अनुसार, टिकट जांच अभियान केवल राजस्व संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि यह यात्रियों की सुविधा, सुरक्षित यात्रा और सुव्यवस्थित रेल संचालन सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अवैध यात्रा पर प्रभावी रोक लगाने और यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने के लिए प्रेरित करने हेतु ऐसे विशेष अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे। सोनपुर मंडल भारतीय रेल के राजस्व और सेवा गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

‘मान लो आपकी बेटी ने सुसाइड किया है, रेप नहीं हुआ’

एजेंसी, पटना

♦ नीट छात्रा मौत केस में भाई बोला- डीजीपी के सामने दबाव बनाया, मां बोली- सब बिके हैं

NEET छात्रा की मौत मामले में परिवार को शुक्रवार को DGP ने अपने आवास पर मिलने के लिए बुलाया। इस दौरान SIT की टीम और पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। मुलाकात के बाद छात्रा की फैमिली गुस्से में DGP आवास से निकली। छात्रा के भाई ने कहा, ‘DGP से मीटिंग के दौरान मां से कहा गया है कि मान लीजिए उसने सुसाइड किया है, उसके साथ रेप नहीं हुआ है।’ छात्रा की मां ने कहा, ‘मेरी बेटी को कोई न्याय नहीं दिलवा पा रहा। गड्डी मिली है सब को। हम गड्डी नहीं दे पा रहे हैं। DSP, SP सब बिके हुए हैं। सम्राट चौधरी हमें बुला रहे हैं। हम उनसे मिलकर क्या करेंगे। हमें सिर्फ न्याय चाहिए।’ पिता ने कहा, ‘हमें यहां न्याय नहीं मिल रहा है। हम यहां न्याय के लिए आए थे। लगा कि ये कुछ बताएंगे, लेकिन सब फालतू बातें की गईं।’ DGP से मुलाकात के बाद पीड़ित परिवार को डिप्टी CM के आवास पर बुलाया गया, लेकिन परिवार वहां नहीं पहुंचा। इसके बाद डिप्टी CM सम्राट चौधरी ने मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, DGP विनय कुमार और पटना SSP कार्तिकेय शर्मा को भी अपने आवास पर बुलाया। सम्राट चौधरी खुद इस पूरे मामले की समीक्षा कर रहे हैं। मुलाकात के बाद DGP और SSP थोड़ी देर में ही डिप्टी CM के आवास से बाहर निकल गए।

SIT की जांच से परिवार संतुष्ट नहीं: बताया जा रहा है कि SIT की टीम नतीजे तक पहुंच गई है। पूरी जांच रिपोर्ट गृह मंत्री सम्राट चौधरी को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट में पटना के अंदर किसी तरह की भी घटना से साफ तौर पर इनकार कर दिया गया है। खुलासा करने से पहले गृह मंत्री परिजनों को संतुष्ट करना चाहते थे, इसलिए DGP की ओर से पहल की गई और परिजनों को पूरी जांच रिपोर्ट दिखाई गई। CCTV फुटेज से लेकर अब तक की जो जांच रही। उसके बारे में छात्रा के परिवार को जानकारी दी गई है। हालांकि परिवार इस रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हैं। जांच पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पटना में स्टूडेंट्स ने निकाला न्याय मार्च: वहीं इस मामले को लेकर पटना विश्वविद्यालय की छात्राएं सड़क पर उतरीं। छात्राओं ने पटना के मगध महिला कॉलेज से कारगिल चौक तक ‘बेटी बचाओ न्याय मार्च’ निकाला। कारगिल चौक पर सभी छात्राओं ने प्रदर्शन किया। छात्राओं ने कहा, ‘सम्राट चौधरी बेटियों को सुरक्षा दो। NEET छात्रा की मौत की CBI करवाओ।’ इधर, पुलिस के मुताबिक, छात्रा के फोन का डाटा रिकवर हो गया है। फोन के डेटा को एनालाइज किया जा रहा है। इसमें SIT को स्नैप चैट से भी साक्ष्य हाथ लगे हैं। अब SIT की नजर 3 संदिग्धों पर है। आज शाम तक DNA सैंपल की रिपोर्ट आने की संभावना है। अधिकारी विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले इस मामले का खुलासा करना चाहते हैं।

हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई: इस मामले की मॉनिटरिंग करवाने के लिए एक जनहित याचिका पटना हाईकोर्ट में सुषमा कुमारी ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने अपनी इस याचिका को अधिवक्ता अलका वर्मा से दायर करवाया है। इसमें कहा गया है कि, जांच पूरी विश्वसनीयता और पारदर्शी तरीके से हाईकोर्ट की मॉनिटरिंग में होनी चाहिए।

अब तक 25 लोगों के सैंपल लिए, हर जानने वाले का टेस्ट होगा: नीट छात्रा रेप-मौत केस में अब तक जांच एजेंसियां 25 लोगों के DNA सैंपल ले चुकी हैं। इनमें शंभू गर्ल्स हॉस्टल आने-जाने वाले युवक, हॉस्टल से जुड़े लोग, छात्रा को अस्पताल पहुंचाने में मदद करने वाले, परिजन और करीबी शामिल हैं। इस मामले में हॉस्टल संचालक के बेटे का भी DNA सैंपल लिया गया है। इससे साफ है कि SIT जांच में किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरतना चाहती। FSL की जांच में छात्रा के कपड़ों से स्पर्म मिलने के बाद DNA मिलान जांच का सबसे अहम आधार बन गया है। इसी स्पर्म के DNA को सभी संदिग्ध लोगों के DNA से मैच किया जाएगा। जांच एजेंसियों का मानना है कि अगर एक भी प्रोफाइल मैच होती है तो केस की दिशा पूरी तरह साफ हो जाएगी।

पटना- महिला बैंककर्मी के साथ रास्ते में छेड़खानी

एजेंसी, पटना

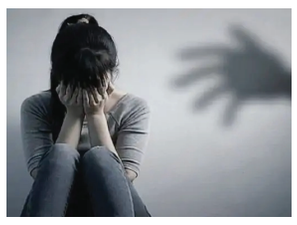

पटना के शास्त्रीनगर इलाके के राजाबाजार समनपुरा में रहने वाली महिला बैंक कर्मी से 2 मनचलों ने छेड़खानी की है। शास्त्रीनगर थाने में पीड़िता की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है। पीड़िता का आरोप है कि रास्ते में आकिब खान और साहिल खान नाम के दो शख्स फब्तियां कसते हैं। अक्सर छेड़खानी करते हैं। यहां तक कि जब मैं विरोध करती हूं, तो घर वालों को जान से मारने और मुझे जबरन उठा ले जाने की धमकी देते हैं।

अब मैं इनलोगों से तंग और तबाह हो चुकी हूं। पीड़िता ने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी दिए हैं। जिसमें दोनों शख्स नजर आ रहे हैं। पुलिस वालों ने सीसीटीवी देने से मना किया पीड़िता को पुलिस वालों ने किसी को भी सीसीटीवी फुटेज देने से मना कर दिया है। इस घटना के बाद से पीड़िता सहमी हुई है। पीड़िता ने बताया कि पुलिस की ओर से कार्रवाई शुरू की गई है।

पीड़िता ने बताया कि पुलिस जब वहां जांच में पहुंची तो उनकी मौजूदगी में मनचलों ने मेरे भाई पर हाथ उठाया। अभी मुझे आश्वासन मिला है, अगर कार्रवाई नहीं हुई तो महिला आयोग और SSP के पास जाऊंगी। थानेदार रविन्द्र कुमार ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। दोनों के बीच में पहले से विवाद चल रहा है। छानबीन की जा रही है।

विजय सिन्हा के जनता दरबार में कांग्रेस नेत्री, कहा- रिश्तेदार ने मेरी जमीन पर कब्जा कर लिया है, मुझे न्याय दिलाएं

एजेंसी, पटना

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के जनता दरबार में कांग्रेस की पूर्व विधायक प्रतिमा कुमारी दास अपनी फरियाद लेकर पहुंचीं। प्रतिमा दास ने डिप्टी सीएम से मदद मांगते हुए कहा, मेरे एक रिश्तेदार ने मेरे घर पर कब्जा कर लिया है। आपसे उम्मीद है कि आप न्याय दिलवाएंगे। इस पूरी शिकायत को सुनने के बाद विजय सिन्हा ने उनको न्याय दिलाने का भरोसा भी दिलवाया। दरअसल, भाजपा के सहयोग कार्यक्रम के तहत भाजपा कोटे के मंत्री नियमित रूप से जनता दरबार लगाते हैं, जहां आम लोगों की समस्याएं सुनी जाती हैं।

पारिवारिक जमीन और मकान से जुड़े शिकायत लेकर पहुंची कांग्रेस विधायक: उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर जनता दरबार का आयोजन किया था। इसमें आम फरियादियों के साथ कांग्रेस की पूर्व विधायक प्रतिमा दास भी मौजूद रहीं। उन्होंने अपने पारिवारिक, जमीन और मकान से जुड़े विवाद को लेकर उपमुख्यमंत्री के सामने अपनी बात रखी, न्याय दिलाने का आग्रह किया। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने प्रतिमा दास की शिकायत गंभीरता से सुनी। पूरे मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तथ्यों की जांच कर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश देने की बात कही।

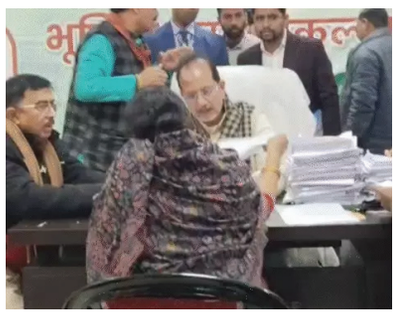

2021 से चला आ रहा है जमीन और मकान कब्जा विवाद: बताया जा रहा है कि यह मामला साल 2021 से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस की पूर्व विधायक प्रतिमा कुमारी दास ने आरोप लगाया है कि उनके एक रिश्तेदार ने जबरन उनके घर पर कब्जा कर लिया। यह मकान पटना सिटी के अगमकुआं थाना क्षेत्र अंतर्गत भूतनाथ रोड स्थित बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी में, टीवी टावर के पास स्थित है। प्रतिमा दास का कहना है कि उनके ससुर, सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त (उत्पाद) चंद्रिका दास का 6 नवंबर 2021 को निधन हो गया था। निधन के बाद श्राद्ध कर्म के लिए परिवार के सभी सदस्य गांव गए थे। इसी दौरान घर की देखरेख के लिए एक महिला को रखा गया था।

घर लौटने पर नहीं खोला गया दरवाजा, पुलिस तक पहुंचा मामला: पूर्व विधायक का आरोप है कि उसी महिला ने पीछे से मकान पर कब्जा जमा लिया। जब वे गांव से पटना लौटे, तो महिला ने घर का दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया। उल्टा पुलिस को गलत सूचना दे दी थी। सूचना मिलने पर अगमकुआं थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक हंगामा चला था। अगमकुआं थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया था कि, यह मामला घर की दावेदारी और स्वामित्व से जुड़ा है, जिसे अदालत ही तय करेगी। पुलिस को जो शिकायत पत्र प्राप्त हुआ है, उसकी जांच की जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

‘एससी/एसटी समाज के लोगों की शिक्षा रोजगार-सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता’

एजेंसी, पटना

❐ विभाग बोला- विकास के लिए 2752 करोड़ का बजट, हॉस्टल-स्कूल और अन्य सुविधा होगी बेहतर

बिहार सरकार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समाज के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। शिक्षा, आवास, छात्रवृत्ति और सामाजिक सुरक्षा जैसे अहम क्षेत्रों में सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसे लेकर पटना में आज अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग की ओर से पीसी हुई। विभाग के सचिव डॉ. संदीप कुमार आर. पुदकलकट्टी और मंत्री लखींद्र पासवान मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि सरकार की प्राथमिकता है कि एससी-एसटी समाज के लोगों को शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा के बेहतर अवसर मिलें, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। डॉ. पुदकलकट्टी ने बताया कि जनगणना 2011 के अनुसार बिहार की कुल आबादी में अनुसूचित जाति की हिस्सेदारी करीब 15.9 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति की 1.28 प्रतिशत है। राज्य में 22 अनुसूचित जातियां और 32 अनुसूचित जनजातियां अधिसूचित हैं। इसके अलावा कुछ विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह भी बिहार में रहते हैं, जिनके लिए अलग-अलग योजनाएं चलाई जा रही हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग का कुल बजट 2752 करोड़: वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग का कुल बजट 2752 करोड़ रुपये से ज्यादा रखा गया है। यह पिछले साल से अधिक है। सरकार का कहना है कि इस बढ़े हुए बजट से छात्रावास, स्कूल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के निर्माण में तेजी आएगी। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने बड़ी पहल की है। राज्य में फिलहाल 91 आवासीय विद्यालय चल रहे हैं, जहां हजारों छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। कई विद्यालयों को 10+2 तक अपग्रेड किया गया है, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों के छात्रों के लिए छात्रावास की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

छात्रों को मिल रही प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप: छात्रों को पढ़ाई में आर्थिक परेशानी न हो, इसके लिए प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप दी जा रही है। यह राशि डीबीटी के जरिए सीधे छात्रों के बैंक खातों में भेजी जाती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी सरकार मदद कर रही है। यूपीएससी, बीपीएससी जैसी परीक्षा के लिए छात्रों को प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। साथ ही सामाजिक सुरक्षा के तहत अत्याचार निवारण कानून को सख्ती से लागू किया जा रहा है। पीड़ितों को सहायता दी जा रही है। मंत्री लखींद्र पासवान ने कहा कि इन योजनाओं से एससी-एसटी समाज के लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है और वे आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

पटना मेदांता अस्पताल के डॉक्टर के घर डकैती

♦ हथियार के बल पर परिवार को बनाया बंधक, मां को पीटा, गहने-कैश सहित 5 लाख लूटे

एजेंसी, पटना

पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में मेदांता अस्पताल के डॉक्टर शुचि शरण के घर बुधवार आधी रात भीषण डकैती हुई। 5 से 6 हथियारबंद अपराधियों ने घर में घुसकर परिवार को बंधक बना लिया। इसके बाद डकैत लगभग 5 लाख रुपये से अधिक के हीरे और सोने के गहने, नकदी और अन्य कीमती सामान लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना शुक्रवार सुबह अगमकुआं थाने को दी गई।

हथियार के बल पर परिवार को बनाया बंधक: पीड़ित परिवार के अनुसार, अपराधियों ने डॉक्टर के माता-पिता को हथियार के बल पर बंधक बना लिया। विरोध करने पर डॉक्टर की मां के साथ मारपीट की गई, जिसमें उनके दांत टूट गए। घर में मौजूद एक महिला को भी पीटा गया, जिससे वह घायल हो गईं।

सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की तलाश जारी: अगमकुआं थाना प्रभारी ने बताया कि, रात्रि लगभग 2:00 बजे यह वारदात हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित परिवार ने इस संबंध में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

आलोक सिंह बने आरएलएम के प्रदेश अध्यक्ष, 2 कार्यकारी अध्यक्ष भी

एजेंसी, पटना

पार्टी में टूट की चर्चा के बीच रालोमो अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने पार्टी में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल किया है। दिनारा से विधायक आलोक सिंह को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं 2 नेताओं को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। प्रशांत पंकज और सुभाष चंद्रवंशी प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए हैं। पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उपेंद्र कुशवाहा ने इसकी घोषणा की। इनके साथ ही हिमांशु पटेल को प्रदेश प्रधान महासचिव और मदन चौधरी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसे बीते कुछ दिनों से पार्टी नेतृत्व से नाराज चल रहे विधायकों को मनाने की कोशिश मानी जा रही है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पार्टी में टूट की बात से इनकार करते हुए रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, ‘मैंने पहले ही कहा ये चर्चा आप मीडिया के लोग ही कर रहे हैं। हमें तो कुछ पता ही नहीं है।’ वहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक रामेश्वर महतो के मौजूद न रहने पर उन्होंने कहा, ये विधायक दल की कोई बैठक नहीं है। वैसे तो विधायक स्नेहलता भी यहां मौजूद नहीं है। पार्टी में किसी तरह का कोई विवाद नहीं है। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव में रालोमा ने 4 सीटें जीतीं, जिसमें 3 विधायकों की नाराजगी की बातें सामने आई थीं, जबकि चौथी विधायक उनकी पत्नी स्नेहलता हैं। बताया जा रहा है कि हाल ही में पटना में RLM के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं माधव आनंद और आलोक सिंह ने मुलाकात की थी। इसी बैठक के दौरान संगठनात्मक पुनर्गठन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई और दिनारा विधायक आलोक सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर सहमति बनी। माधव आनंद पहले से ही विधानसभा में RLM विधायक दल के नेता की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि उपेन्द्र कुशवाहा की पत्नी स्नेह लता कुशवाहा पार्टी की सचेतक हैं।

मोइनुल हक स्टेडियम बनेगा इंटरनेशनल क्रिकेट कॉम्प्लेक्स, 24 महीने में होगा तैयार

एजेंसी, पटना

♦ 2 ग्राउंड-16 पिच बनेंगे, राजगीर स्टेडियम में 2026 लास्ट तक होगा मैच

मोइनुल हक स्टेडियम के पुनर्निर्माण की कवायद शुरू हो गई है। आज बिहार क्रिकेट एसोसिएशन और निर्माण कंपनी सिवांस इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बीच एग्रीमेंट साइन हुई। इस स्टेडियम का निर्माण कार्य 24 महीने के अंदर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस स्टेडियम में दो ग्राउंड बनाए जाएंगे, जिसमें एक इंटरनेशनल और आईपीएल मैच और दूसरा डोमेस्टिक मैच के लिए होगा। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सीईओ मनीष राज ने बताया कि 11 फरवरी को BCA की खेल विभाग के साथ मीटिंग है, जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू करने की तारीख तय होगी।

ग्राउंड में 12 से 16 पिच का किया जाएगा निर्माण: इसमें मुख्य क्रिकेट स्टेडियम, आधुनिक पवेलियन, प्रैक्टिस विकेट, इनडोर अभ्यास सुविधा, खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम, मीडिया सेंटर और प्रशासनिक ढांचा शामिल रहेगा। परियोजना के अंतर्गत लगभग 300 खिलाड़ियों के रहने की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। साथ ही खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, फिटनेस और मैच तैयारी के लिए 12 से 16 पिचों के निर्माण की योजना भी शामिल है। कुल 498 करोड़ रुपये की लागत से इस अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा। करीब 30 एकड़ में इसका निर्माण किया जाएगा।

2026 के अंत तक राजगीर में होगा इंटरनेशनल मैच: मनीष राज ने बताया कि इस स्टेडियम के निर्माण कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा, जिसमें प्रथम चरण में मुख्य खेल क्षेत्र और आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इसके पूर्ण होने के बाद बिहार में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन की संभावनाएं बढ़ेंगी। साथ ही स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास और प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण उपलब्ध होगा। इस स्टेडियम में 40000 दर्शकों के बैठने की कैपेसिटी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि 2026 के अंत तक राजगीर इंटरनेशनल स्टेडियम में इंटरनेशनल मैच कराने की तैयारी चल रही है।

बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट का भी होगा निर्माण: इसमें क्रिकेट के अलावा बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, फाइव स्टार होटल, खिलाड़ियों के लिए सभी सुविधाओं से लैस हॉस्टल, रेस्टोरेंट, क्लब हाउस आदि भी होंगे। बारिश का पानी जमा करने की व्यवस्था भी मोइनुल हक इंटरनेशनल क्रिकेट कॉम्प्लेक्स में अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम और ड्रेनेज लेयर सिस्टम की सहायता के लिए मेन ग्राउंड रेत आधारित होगा। यह आउट फील्ड मेन ग्राउंड में पानी देने के लिए पॉप अप और रेन गन प्रणाली से भी सुसज्जित होगा।

संक्षिप्त समाचार

यमुनानगरः सदभावना यात्रा से कांग्रेस के साथ हर वर्ग जुड़ रहा:बीरेंद्र सिंह

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा है कि हरियाणा की राजनीति में कांग्रेस एक नए दौर में प्रवेश कर रही है,

जहां पार्टी का फोकस संगठन, सामाजिक सौहार्द और जनविश्वास की पुनर्बहाली पर है। यमुनानगर में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि सद्भाव यात्रा के माध्यम से कांग्रेस को व्यापक समर्थन मिल रहा है और लंबे समय से निष्क्रिय माने जा रहे वर्ग भी पार्टी से जुड़ने लगे हैं। चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि बीते वर्षों में संगठनात्मक ढांचे के कमजोर होने से कांग्रेस के भीतर मतभेद उभरे, लेकिन अब जिला अध्यक्षों, प्रदेश अध्यक्ष और कार्यकारिणी के गठन से पार्टी में स्पष्टता और मजबूती आई है। उन्होंने कहा कि संगठन के पुनर्गठन से कार्यकर्ताओं में भरोसा बढ़ा है और नेतृत्व के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि हरियाणा में सत्तारूढ़ दल के प्रति जनता का मानसिक जुड़ाव लगातार कम हो रहा है। किसानों, श्रमिकों और ग्रामीण समाज से किए गए वादों को पूरा न किए जाने से असंतोष गहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव की स्थिति में भाजपा सामाजिक तानेबाने को कमजोर करने की कोशिश करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि सामाजिक सद्भाव से छेड़छाड़ के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। हरियाणा की संस्कृति भाईचारे, सहिष्णुता और आपसी विश्वास पर आधारित रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि समाज में फैलाई गई असंतोष की चिंगारी यदि आग में बदली, तो उसका प्रभाव सभी पर पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मतभेद केवल मतदान तक सीमित रहे हैं, लेकिन दिलों में अब भी सामाजिक एकता मौजूद है। उन्होंने अग्निवीर योजना और मनरेगा को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए और कहा कि धार्मिक प्रतीकों का राजनीतिक उपयोग अनुचित है।

कृषि उपज मण्डी, मेड़ता सिटी में बनेंगे 5 करोड़ 60 लाख की लागत से नवीन किसान पथ

लोकतंत्र की शान : जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नागौर जिले की कृषि उपज मण्डी समिति, मेड़ता सिटी के अंतर्गत 5 नवीन सम्पर्क सड़कों (किसान पथ) के निर्माण के लिए 5 करोड़ 60 लाख रूपये से अधिक की राशि स्वीकृति की है। इन संपर्क सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों व किसानों के आवागमन एवं कृषि जिन्सों को मण्डी तक लाने में सुविधा होगी।

शहीद दिवस पर जयपुर जिला कलेक्ट्रेट में रखा गया दो मिनट का सामूहिक मौन

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को 2 मिनट का सामूहिक मौन रखा गया। जिला कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार सुबह 11 बजे से 11 बजकर 02 मिनट तक अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) मेघराज मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) मुकेश कुमार मूंड, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहाड़िया, उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम राजेश जाखड़, उपखण्ड अधिकारी जयपुर उत्तर दीपक खटाना, सहायक कलक्टर सरिता शर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी सामूहिक मौन में मौजूद रहे।

एसआईआर में गड़बड़ी को लेकर विधानसभा में हंगामा

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को शून्यकाल के दौरान एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) में गड़बड़ी का मुद्दा उठने पर सदन में भारी हंगामा हो गया। कांग्रेस विधायक जाकिर हुसैन गैसावत को अध्यक्ष द्वारा पर्ची के माध्यम से यह मुद्दा उठाने की अनुमति दी गई थी। जैसे ही जाकिर हुसैन गैसावत ने बोलना शुरू किया, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह विषय सदन में उठाया ही नहीं जा सकता, क्योंकि मतदाता सूची तैयार करने का कार्य निर्वाचन आयोग का है और इसमें राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं है। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और संसदीय कार्य मंत्री के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। दोनों पक्षों के बीच बहस तेज होने से सदन में शोरगुल की स्थिति बन गई। हंगामे के बीच स्पीकर ने लंच ब्रेक से पांच मिनट पहले विधानसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि जब अध्यक्ष ने मुद्दा उठाने की अनुमति दी है, तो उस पर आपत्ति कैसे की जा सकती है। उन्होंने मांग की कि एसआईआर के दौरान आई एप्लिकेशनों की जांच करवाई जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि फर्जी फॉर्म भरने वाले लोग कौन थे। उन्होंने कहा कि जब इसमें सजा का प्रावधान है, तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बापू को किया नमन

लोकतंत्र की शान : **हरिद्वार।** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर मध्य हरिद्वार स्थित कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सोम त्यागी एवं पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष रविश भटीजा ने कहा कि वर्तमान में जो माहौल बना हुआ है, वह भाईचारे के लिए खतरा है। पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा एवं युवा नेता समर्थ अग्रवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा देश को विभाजित करने की नीति अपना रही है और अंग्रेजों की 'फूट डालो और राज करो' की नीति पर चल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एकता और भाईचारे के साथ देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरव चौहान एवं मनोज जाटव ने कहा कि महात्मा गांधी सत्य और अहिंसा के मार्ग के प्रणेता थे। उनके विचार आज भी भारत की आत्मा और लोकतांत्रिक चेतना का आधार हैं। गांधी जी का जीवन सत्य, सेवा और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में विकास चंद्रा, समर्थ अग्रवाल, अनिल ठाकुर, सरिता शर्मा, अखिल शर्मा, ऋषभ वशिष्ठ, आशु श्रीवास्तव, दीपक टंडन, सार्थक ठाकुर, गौरव ठाकुर, मानू वालिया, अरविंद राठी, वीरू गुप्ता सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डिवाइडर से टकराईं मोटरसाइकिल,एक की मौत एक गंभीर रूप से घायल

लोकतंत्र की शान

सीधी । जिले के मड़वास थाना क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार की शाम करीब 5 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया. यह दुर्घटना रामपुर जोगी पहाड़ी पेट्रोल टंकी के पास उस समय हुई, जब बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने डिवाइडर से टकरा गई जानकारी के अनुसार, एक ही बाइक पर सवार दो युवक मड़वास से अपने घर आमगांव (कुसमी) की ओर जा रहे थे. जैसे ही उनकी बाइक रामपुर स्थित पेट्रोल टंकी के समीप पहुंची, अचानक संतुलन बिगड़ गया और तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से जा टकराई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सवार सड़क पर गिर पड़े. हादसे में राजकुमार सिंह गौड़, पिता लालजी गौड़, उम्र 30 वर्ष, निवासी आमगांव कुसमी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. वहीं बाइक पर पीछे बैठे अजय केवट, पिता रामचरण केवट, उम्र 36 वर्ष, निवासी आमगांव कुसमी गंभीर रूप से घायल हो गए. बताया जा रहा है कि अजय केवट के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं और हाथ में फ्रैक्चर हुआ है. घटना की सूचना मिलते ही मड़वास पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिसकर्मी प्रधान आरक्षक सूर्य प्रताप सिंह एवं प्रधान आरक्षक मुकेश मरावी द्वारा घायल अजय केवट को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौली भेजा गया. वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय सीधी रेफर कर दिया। मृतक के संबंध में मड़वास पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है. रात्रि हो जाने के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं किया जा सका, जिसे आगामी कार्रवाई के तहत कराया जाएगा. इस पूरे मामले की जानकारी प्रधान आरक्षक मुकेश मरावी ने दी. पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है. इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

रामपुर नैकिन में खनिज के अवैध परिवहन के खिलाफ खनिज दल की कार्रवाई

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री स्वरोचिष सोमवंशी और पुलिस अधीक्षक श्री संतोष कोरी के निर्देशन तथा जिला खनिज अधिकारी श्री कपिल मुनि शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन में प्रभारी खनि निरीक्षक श्री शिशिर यादव और श्री देवेंद्र महोबे के नेतृत्व में खनिज दल ने तहसील-रामपुर नैकिन अंतर्गत बघवार क्षेत्र में खनिज के अवैध परिवहन की जांच की। इस दौरान शहडोल से सतना एवं अन्य क्षेत्रों की ओर बिना अभिवहन पारपत्र और आवश्यक अभिलेख प्राप्त किए कोयला परिवहन कर रहे वाहन क्रमांक UP70FT6679 और CG04PF5736 को नियमानुसार जब्त कर पुलिस चौकी पिपरांव, थाना रामपुर नैकिन परिसर में खड़ा किया गया। वाहन स्वामियों के विरुद्ध म. प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर मान. न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। इसी प्रकार, तहसील-रामपुर नैकिन अंतर्गत शिकारगंज क्षेत्र में रेत का अवैध परिवहन कर रहे वाहन

हाइवा क्रमांक MP18H5433 को खनिज-वन विभाग के संयुक्त दल द्वारा नियमानुसार जब्त किया गया। वाहन स्वामी/चालक के विरुद्ध वन परिक्षेत्राधिकारी सोन घड़ियाल अभयारण्य, श्री के. सी. उइके द्वारा कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री सोमवंशी के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न स्थलों पर अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण की शिकायतें प्राप्त होने पर खनिज दल द्वारा निरंतर कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

शासकीय पं. दीनदयाल उ.मा.वि., रजडिहा में कैरियर मेला आयोजित

लोकतंत्र की शान रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो

सीधी। शासकीय पं. दीनदयाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रजडिहा, जिला सीधी के सभागार में कैरियर मेला कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 29 जनवरी को किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न कैरियर विकल्पों की जानकारी देकर उनके भविष्य को सही दिशा प्रदान करना रहा। कैरियर मेला कार्यक्रम वरिष्ठ अधिवक्ता एवं संस्था के संस्थापक एवं पूर्व प्राचार्य राम भुवन शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में तथा कार्यक्रम प्रभारी एवं संचालक वी.के. द्विवेदी के बोधगम्य संचालन एवं विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार तिवारी की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर ट्रेनर एवं काउंसलर राजेंद्र प्रसाद शर्मा एवं अमित सिंह ने विद्यार्थियों को कैरियर संबंधी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर उपलब्ध कैरियर अवसरों, प्रतियोगी परीक्षाओं, कौशल विकास एवं रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान कर उन्हें लक्ष्य निर्धारण एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कैरियर मेला कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम से विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला और उन्हें अपने भविष्य के प्रति स्पष्ट दिशा प्राप्त हुई।

सड़क सुरक्षा माहः सीधी पुलिस ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी; घायल की मदद करने वाले 'राहवीर' को मिलेंगे 25,000,

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय सीधी में पुलिस अधीक्षक श्री संतोष कोरी के कुशल नेतृत्व में सीधी पुलिस द्वारा "सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा" की थीम पर आधारित 'यातायात जागरूकता रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

उद्देश्यः दुर्घटना मुक्त सीधी-इस जागरूकता रथ को रवाना करने का मुख्य उद्देश्य जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। यह रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट व सीटबेल्ट के उपयोग और यातायात संकेतों के पालन हेतु प्रेरित करेगा।

'राहवीर योजना' का होगा व्यापक प्रचार-जागरूकता अभियान के दौरान शासन की 'राहवीर योजना' पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस योजना के तहतः

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को 'गोल्डन ऑवर्स' (दुर्घटना के तत्काल बाद का शुरुआती एक घंटा) में अस्पताल पहुँचाने वाले मददगार व्यक्ति को मध्य प्रदेश शासन द्वारा 25,000 के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसका उद्देश्य आम नागरिकों के मन से पुलिसिया कार्रवाई का डर निकालकर उन्हें घायलों की मदद के लिए प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम में उपस्थिति,-इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक श्री बीरेंद्र कुमरे, यातायात प्रभारी उप निरीक्षक भूपेश बैस सहित पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। पुलिस अधीक्षक ने अपील की है कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है, ताकि अनमोल जीवन को बचाया जा सके।

परीक्षा नहीं जीवन की तैयारी है शिक्षा - नीरज शर्मा

स्नेह, सम्मान और स्मृतियों के बीच गणेश विद्यालय में 12वीं के विद्यार्थियों की भावपूर्ण विदाई

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। स्थानीय नगर पालिका क्षेत्र में संचालित श्री गणेश हायर सेकेंडरी स्कूल, अमहा में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य, गरिमामय एवं भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया इस अवसर पर विद्यालय परिसर उल्लास, आत्मीयता एवं भावुक क्षणों से सराबोर रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य एवं विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने विद्यालय जीवन की स्मृतियों को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संस्था के चेयरमैन एम.पी. शर्मा, निदेशक नीरज शर्मा, सहायक निदेशक अरुण ओझा एवं विद्यालय प्राचार्य जे.एन. मिश्र द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर वरिष्ठ विद्यार्थियों का आत्मीय अभिनंदन किया गया। समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने अपने विद्यालय से जुड़े अनुभव साझा किए, जिससे वातावरण भावुक हो उठा। इस अवसर पर मिस्टर एवं मिस फेयरवेल सहित अनेक आकर्षक उपाधियाँ प्रदान की गईं, जिसने समारोह को और भी यादगार बना दिया। मुख्य अतिथि चेयरमैन एम.पी. शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और निरंतर परिश्रम के साथ करें। असफलताओं से निराश होने के बजाय उन्हें सीख के रूप में अपनाएं। निदेशक नीरज शर्मा ने विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से गणेश विद्यालय का नाम गौरवान्वित करने का आह्वान किया। सहायक निदेशक अरुण ओझा ने ईमानदारी, अनुशासन और कड़ी मेहनत को जीवन का मूल मंत्र बताते हुए परीक्षा में सफलता के उपयोगी सुझाव दिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास एवं बहुमुखी प्रतिभा के आधार पर विशेष खिताब प्रदान किए गए, जिसमें मिस फेयरवेल आराधना दुबे एवं मिस्टर फेयरवेल सुनील जायसवाल को चयनित किया गया। सम्मान के समय पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। विद्यालय प्राचार्य जे.एन. मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि कक्षा 12वीं के विद्यार्थी विद्यालय की पहचान और गौरव होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम, आत्मविश्वास एवं नैतिक मूल्यों के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। विद्यालय परिवार द्वारा सभी विद्यार्थियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में विद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे एवं उन्होंने विद्यार्थियों को भावी जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक सतीश तिवारी द्वारा किया गया। अंत में विद्यार्थियों ने विद्यालय एवं शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के उपरांत विद्यार्थियों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई।

मझौली पुलिस की तत्परताः लापता नाबालिग किशोरी को 24 घंटे के भीतर ढूंढकर परिजनों को सौंपा

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी श्री संतोष कोरी के कुशल निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में मझौली पुलिस ने एक लापता नाबालिग किशोरी को सुरक्षित ढूंढकर महज 24 घंटे के भीतर किशोरी को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

क्या था पूरा मामला? नाबालिग किशोरी अपने माता-पिता की डांट से नाराज होकर बिना किसी को बताए घर से निकल गई थी। परिजनों द्वारा काफी तलाश करने के बाद जब किशोरी का पता नहीं चला, तो उन्होंने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों की चिंता को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी मझौली उप निरीक्षक विशाल शर्मा के नेतृत्व में तत्काल टीम गठित कर किशोरी की तलाश शुरू की गई।

पुलिस की त्वरित कार्रवाईः- मझौली पुलिस ने अथक प्रयास और तकनीकी व स्थानीय सूचनाओं की मदद से किशोरी का पता लगाया, जो अपनी सहेली के घर चली गई थी। पुलिस टीम ने किशोरी को सुरक्षित थाने लाकर वैधानिक कार्यवाही पूर्ण की और उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया। अपनी बेटी को सुरक्षित पाकर परिजनों ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मझौली उप निरीक्षक विशाल शर्मा सउनि अरुण सिंह, प्रधान आर0 राजीव यादव एवं जीतेन्द्र सिंह का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

एसआईटी पब्लिक स्कूल का नाम रोशन किया पृथ्वीराज सिंह चौहान ने

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। एसआईटी पब्लिक स्कूल, जमोड़ी सेगरान के प्रतिभाशाली छात्र पृथ्वीराज सिंह चौहान ने खेलो एम.पी. के खेल प्रतियोगिता में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया। उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से संभाग स्तर पर सफलता प्राप्त की और राज्य स्तर के लिए चयनित हुए। इस उपलब्धि के लिए पृथ्वीराज सिंह चौहान को उनके कोच, श्री रवि कुमार मिश्रा का कुशल मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिन्होंने उनकी प्रतिभा को निखारने और उन्हें सफलता की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एसआईटी स्कूल के निर्देशक दीपक गुप्ता सर एवं स्कूल की प्रबंध निदेशक, मैडम शोभा रेड्डी ने छात्र की इस उपलब्धि पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल प्रबंधन इन होनहार छात्रों को उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देता है और भविष्य में उनकी निरंतर सफलता की शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

सीधी सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना के तहत सीधी व सिंगरौली जिलों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा

» रीवा सर्किट हाउस में हुई उच्चस्तरीय हुई बैठक

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना के अंतर्गत सीधी एवं सिंगरौली जिलों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के उद्देश्य से आज रीवा स्थित सर्किट हाउस के सभा कक्ष में एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा विशेष रूप से शामिल हुए। इस समीक्षा बैठक में मध्यप्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल जी, रीवा सांसद श्री जनार्दन मिश्रा जी, महाप्रबंधक पश्चिम मध्य रेलवे श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर श्री एम.एस. हाशमी, सहित रेलवे एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा बैठक में रीवा संभागायुक्त श्री बी.एस. जामोद, रीवा कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, सीधी कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी, सिंगरौली कलेक्टर श्री गौरव बैनल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना के विभिन्न चरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। भूमि अधिग्रहण, ट्रैक निर्माण, पुल-पुलिया निर्माण, स्टेशन विकास, तथा प्रशासनिक समन्वय से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों द्वारा परियोजना की वर्तमान स्थिति, आ रही चुनौतियों और उनके समाधान के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया गया। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि यह रेल परियोजना सीधी और सिंगरौली जैसे औद्योगिक एवं आदिवासी बहुल क्षेत्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके पूर्ण होने से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और समग्र विकास को गति मिलेगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। माननीय उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल जी ने भी परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार रेलवे एवं केंद्र सरकार के साथ मिलकर हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं को शीघ्र दूर कर परियोजना को तय समय में पूर्ण करने हेतु नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल में कल से फिर बारिश-बर्फबारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बीते एक सप्ताह के दौरान भारी बारिश-बर्फबारी के बाद आज ज्यादातर भागों में अच्छी धूप खिली। इससे लोगों ने कड़ाके की सर्दी से राहत की सांस ली है। हालांकि, ऊंचे क्षेत्रों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। लाहौल स्पीति के ताबो का न्यूनतम तापमान माइनस (-10.2) और कुकुमसैरी का माइनस (-9.2) डिग्री तक लुढ़क गया है। मशहूर पर्यटन स्थल मनाली में भी तापमान माइनस में है। मौसम विभाग की माने आने वाले चार दिनों के दौरान ठंड और बढ़ेगी। प्रदेश में आज रात से वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। इससे तीन फरवरी तक पहाड़ों पर फिर से अच्छी बारिश-बर्फबारी के आसार है। खासकर एक फरवरी को पूरे प्रदेश में बारिश व बर्फबारी होगी। इस दिन सभी 12 जिलों में आंधी-तूफान का यलो अलर्ट दिया गया है। प्रदेश में 50 से 60 किलोमीटर रफ्तार से तेज हवाएं चलेगी। अधिक ऊंचे पहाड़ों पर बर्फीला तूफान भी चल सकता है। इस दौरान- अधिक ऊंचे पहाड़ों पर अच्छी बर्फबारी और निचले इलाकों में अच्छी बारिश होगी। चार फरवरी से मौमस साफ होगा। वहीं, आज सुबह के वक्त बिलासपुर और मंडी में कोहरा छाया। मौसम विभाग के अनुसार- बिलासपुर में भाखड़ा बांध के आसपास विजिबिलिटी 50 मीटर तक और सुंदरनगर में 100 मीटर तक नीचे गिरे। हालांकि, 9 बजे के बाद यहां भी मौसम ठीक हो गया था। प्रदेश में बीते एक सप्ताह के दौरान नॉर्मल से 270 प्रतिशत अधिक बादल बरसे है। मौसम विभाग के अनुसार- राज्य में 22 से 29 जनवरी के बीच 25.1 मिलीमीटर सामान्य बारिश होती है, लेकिन इस बार 94.9 मिलीमीटर बादल बरस चुके है। इस दौरान ऊना जिला में सामान्य की तुलना में 741 फीसदी अधिक बारिश हुई। बिलासपुर में सामान्य से 376 प्रतिशत ज्यादा बारिश, चंबा में 112%, हमीरपुर में 567%, कांगड़ा में 364%, किन्नौर में 52%, कुल्लू में 396%, लाहौल स्पीति में 331%, मंडी में 303%, शिमला में 274%, सिरमौर में 460% और सोलन नॉर्मल से 437% ज्यादा बारिश हुई है। वहीं 12 अक्टूबर से 22 जनवरी के बीच सामान्य से 95 प्रतिशत कम बारिश-बर्फबारी हुई थी। राज्य में 23 जनवरी को 100 दिन से भी ज्यादा का ड्राइ स्पेल टूटा है। इसके बाद निरंतर अच्छी बारिश-बर्फबारी हो रही है। वहीं प्रदेश में बीते 27 जनवरी की भारी बर्फबारी के कारण 530 से और 1500 से ज्यादा बिजली के ट्रांसफॉर्मर ठप पड़े हुए है। इससे लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

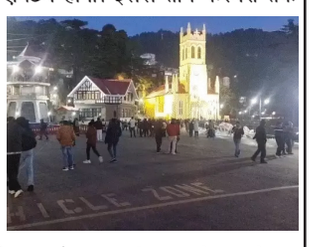

ट्रक की टक्कर से कार के परखच्चे उड़े...चार की मौत

ग्वालियर। ग्वालियर में शुक्रवार सुबह घने कोहरे के बीच सड़क हादसा हो गया। भिंड रोड हाईवे पर बंटू ढाबा के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने वैगनआर कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। सभी भिंड जिले के हैं। सुबह करीब 8 बजे जैसे ही इनकी कार बंटू ढाबा के पास पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कार को रौंद दिया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान सौरभ शर्मा निवासी मेहगांव (भिंड), ज्योति यादव (भिंड), भूरे प्रजापति (गोरमी) भिंड और उमा राठौर पत्नी पति राम राठौर, निवासी मोरोली भिंड के रूप में हुई है। सौरभ बीएससी एग्रीकल्चर का पेपर देने आगरा जा रहा था। कार उसके भाई की है। रास्ते में उसे ग्वालियर के लिए सवारी मिल गई, जिनकी हादसे में मौत हो गई। ज्योति की बहन नीलम यादव ने बताया कि हमें सुबह सूचना मिली थी कि मालनपुर में एक्सीडेंट हुआ है। कार में मेरी बहन भी आ रही थी। उसे मथुरा जाना था, इसलिए वह गोरमी से निकली थी। ज्योति के 2 बच्चे हैं। वह अकेली घर से निकली थी। सौरभ के भाई अंकित ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे सौरभ घर से निकला था। उसकी उम्र 24 साल थी। परिवार में 2 भाई और एक बहन है। बता दें आज सुबह ग्वालियर में विजिबिलिटी 200 से 500 मीटर तक थी। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के दाहिने हिस्से में झाड़ियों में जा घुसा। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने चारों शवों को कार से बाहर निकालकर कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- हम कुछ बोलेंगे तो दंगा हो जाएगा

बांदा। बांदा में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा- हिंदू एक बात नोट कर लें। मुसलमानों को गाली देकर भारत हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा। हिंदुओं को अपनी कुरीतियां सुधारनी पड़ेंगी, तभी भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा। उनके यहां तो कटना ही कटना है। जहां देखो, वहां कटना है। भगवान ही बचाए, हमें कुछ बोलना नहीं है, नहीं तो दंगा हो जाए। अगर हो भी जाए तो ठठरी है। एक वो हैं, उनके यहां तो तीन बार हु... हु... हु...और तलाक। हमारे यहां जब तक 20 से 25 बार कोर्ट में पेशी न हो जाए, तब तक तलाक नहीं होता। उनमें कोई बुराई नहीं है, अच्छी बात है। उनका अपना-अपना है। कायदे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे। पंडित धीरेंद्र शास्त्री सदर विधायक प्रकाश द्विवदी के बुलावे पर बांदा आए हैं। यहां पहुंचते ही उनका काफिला विधायक के खुरहंड स्थित आवास पर पहुंचा। यहां से निकलकर उन्होंने विधायक के साथ भगवान शंकर कैलाशेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर में चल रहे सुंदरकांड पाठ में शामिल हुए। धीरेंद्र शास्त्री के आने की सूचना पर मंदिर में 8 हजार से ज्यादा भक्त पहुंचे। विधायक के आवास पर वह संत दरबार लगाएंगे। धीरेंद्र शास्त्री का बांदा में 10 दिन के अंदर ये दूसरा दौरा है। इससे पहले उन्होंने 16 से 20 जनवरी तक हनुमंत कथा सुनाई थी। इस दौरान दिव्य दरबार भी लगाया था। कथा में 1 लाख से ज्यादा भक्त पहुंचे थे। बांदा में पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने 16 से 20 जनवरी तक हनुमंत कथा कही थी। कथा में यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव समेत पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह और अयोध्या के हनुमानगढ़ी के महंत राजूदास भी पहुंचे थे। कथा में धीरेंद्र शास्त्री ने गाना भी गाया था- "डाले रहो दरबार में धक्का-मुक्का, अमीरों के खाओ। एक दिन ऐसा आएगा कि तुम ही अमीर बन जाओगे। कोई जल्दी अमीर बनेगा, कोई देर से, लेकिन हमारे बालाजी का भक्त एक दिन सेठ बनेगा।" कहा- बांदा में जो मेला लगा, वह किसी महाकुंभ से कम नहीं रहा।

देहरादून में दो कश्मीरी युवकों पर छेड़छाड़ का आरोप

देहरादून। देहरादून में कश्मीरी युवकों से हुई मारपीट के 48 घंटे बाद आज आरोपी दुकानदार की पत्नी ने युवकों पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। महिला ने विकासनगर थाने पहुंचकर कश्मीरी युवकों पर हाथ पकड़ने और गंदे इशारे करने के आरोप भी लगाए हैं। महिला ने शिकायत में कहा है कि वह दुकान पर थी, तभी दो युवक आए और सामान मांगा, लेकिन दूसरी भाषा में बात करने को लेकर उसने सामान देने से मना कर दिया। आरोप है कि मना करने के बाद दोनों युवक दुकान के अंदर घुस आए, उसका हाथ जोर से पकड़ लिया। इसी दौरान उसके पति मौके पर पहुंचे और युवकों को बाहर निकालने की कोशिश की, जिसके बाद झगड़ा और मारपीट शुरू हुई। यह घटना बुधवार शाम देहरादून के विकासनगर की है, जहां शॉल बेचने आए दो युवकों पर रॉड और लाठियों से हमला किया गया था। मारपीट में एक नाबालिग का हाथ टूट गया और सिर में गंभीर चोटें आईं। पीड़ित ने आरोप लगाया था कि उन्हें कश्मीरी और मुस्लिम होने पर पीटा गया। युवकों ने बताया कि उन्हें पीटते वक्त लोग कह रहे थे 'ये कश्मीर नही हैं, इन्हें मारो।' अभद्र इशारे और छेड़छाड़ का आरोपः शिकायतकर्ता ने बताया कि वे पिछले 25 सालों से दुकान चला रही हैं और इलाके में उनकी अच्छी पहचान है। 28 जनवरी को शाम करीब साढ़े तीन बजे दो युवक दानिश और ताबिश, जो जम्मू-कश्मीर के रहने वाले बताए गए हैं, उनकी दुकान पर आए और महिला के साथ अश्लील व अभद्र इशारे करने लगे।

बांग्लादेश ने भारत से स्पेशल इकोनॉमिक जोन छीना

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश ने चटगांव में भारत को दी गई सेज (स्पेशल इकोनॉमिक जोन) का भूमि आवंटन रद्द कर दिया गया है। यूनुस सरकार ने यह जमीन चीन को ड्रोन फैक्ट्री बनाने के लिए दे दी है। लगभग 850 एकड़ में फैली इस जमीन में इस साल के अंत तक प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। चीन ड्रोन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने को भी राजी हो गया है। यहां मीडियम रेंज और वर्टिकल लिफ्ट वाले ड्रोन बनेंगे। चटगांव प्लांट भारतीय सीमा से 100 किमी दूर है। बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत-पाकिस्तान के बाद ड्रोन बनाने वाला तीसरा देश बन जाएगा। दूसरी ओर चीन ने बीते साल बांग्लादेश को 20 J-10CE फाइटर जेट देने की डील भी की थी। ये सप्लाई भी इस साल के अंत से शुरू हो जाएगी। चीन ने बांग्लादेश को पेमेंट में भी बड़ी मोहलत दी है।

जमीन मिली थीः भारत और बांग्लादेश के बीच 2015 में एक समझौता हुआ था।

10 साल पहले भारत को लाइन ऑफ क्रेडिट (LoC) से फंडिंग होती। इसके लिए चटगांव के मीरसाराई में लगभग 850 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी। एक और दूसरा छोटा इकोनॉमिक जोन मोंगला (बागेरहाट) में भी प्रस्तावित था।

इसका मकसद द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना, भारतीय निवेश आकर्षित करना, रोजगार सृजन करना और बांग्लादेश में भारतीय कंपनियों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान करना था। 2019 में

- **चीन को ड्रोन फैक्ट्री बनाने के लिए जमीन दी, बांग्लादेश को 20 चीनी फाइटर जेट मिलेंगे**

BEZA और अडाणी पोर्ट्स एंड SEZ के बीच MoU साइन हुआ था और भारत ने $115 मिलियन LoC से समर्थन दिया था।

भारतीय कंपनियों के लिए विशेष सुविधाएं:

भारतीय निवेशकों को प्राथमिकता मिलती है। भारतीय कंपनियां SEZ में आसानी से फैक्टरियां लगा सकती हैं, जहां टैक्स छूट, ड्यूटी-फ्री आयात (कच्चे माल, मशीनरी आदि), VAT-फ्री बिजली/गैस/पानी, डिविडेंड टैक्स छूट और अन्य फिस्कल इंसेंटिव्स मिलते हैं।

अमेरिका में जन्मे बच्चों को 92 हजार देंगे ट्रम्प

- **निवेश में बैंक-टेक कंपनियां भी शामिल, 18 साल के होने पर पढ़ाई-बिजनेस में इस्तेमाल कर सकेंगे**

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों को सरकार की ओर से 1,000 डॉलर (92 हजार रुपए) दिए जाएंगे। यह रकम बच्चों के नाम से खोले जाने वाले एक स्पेशल अकाउंट में जमा की जाएगी। यह योजना पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुरू की थी। अब इसे अमेरिका की बड़ी-बड़ी कंपनियों का समर्थन मिलने लगा है। इस योजना को 'ट्रम्प अकाउंट' कहा जाता है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह एक टैक्स-फ्री सेविंग अकाउंट होगा, जिसमें सरकार बच्चों के भविष्य के लिए शुरुआती निवेश करेगी। इस खाते में जमा रकम शेयर बाजार में निवेश की जाएगी ताकि समय के साथ यह बढ़ सके। इस योजना का लाभ उन बच्चों को मिलेगा जो 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2028 के बीच अमेरिका में पैदा होंगे। इससे हर साल करीब 36 लाख नवजात बच्चों को फायदा होगा। इसका मकसद बच्चों को जन्म से ही वित्तीय शुरुआत देना और लंबे समय तक निवेश के जरिए धन बढ़ाना है। ताकि वे 18 साल की उम्र में पढ़ाई, बिजनेस शुरू करने, घर खरीदने या अन्य जरूरतों के लिए फंड का इस्तेमाल कर सकें। अब कई बड़ी कंपनियां भी इस योजना में आगे आ रही हैं। बैंक ऑफ अमेरिका और जेपी मॉर्गन चेस ने घोषणा की है कि वे अपने कर्मचारियों के बच्चों के ट्रम्प अकाउंट में सरकार की तरह 1,000 डॉलर की बराबर राशि जमा करेंगे। ट्रम्प ने कहा, "हर राष्ट्रपति ने हमारी अगली पीढ़ी को सिर्फ कर्ज दिया है, लेकिन हमारी सरकार हर बच्चे को असली संपत्ति और आर्थिक आजादी का मौका देगी।" उन्होंने नियोक्ताओं से अपील की कि वे अपने कर्मचारियों के लिए ट्रम्प अकाउंट में योगदान दें। 92 हजार केवल ट्रम्प प्रशासन के दौरान जन्मे बच्चों को मिलेगा।

अजित पवार ने कहा था- नियति बुलाए तो जाना पड़ता है

- **4 दिन बाद प्लेन क्रैश में मौत, बारामती के कान्हेरी की सभा का वीडियो वायरल**

एजेंसी, मुंबई/पुणे

यह दुनिया हमेशा के लिए नहीं है। हम सब आज यहां हैं, कल नहीं रहेंगे। अगर समय और नियति से पहले बुलावा आ जाए, तो सबको जाना ही होगा। महाराष्ट्र के डिप्टी CM अजित पवार ने बारामती के कान्हेरी में 24 जनवरी को एक चुनावी रैली में यह बात कही थी। महज 4 दिन बाद, यानी 28 जनवरी को बारामती जाते समय प्लेन क्रैश में उनका निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार बारामती के विद्या प्रतिष्ठान में गुरुवार को हुआ। अब अजित के बयान का वही वीडियो सामने आया है। वे मराठी में सभा को संबोधित कर रहे थे। "यह दुनिया हमेशा के लिए नहीं है। हम सब आज यहां हैं, कल नहीं रहेंगे। अगर समय और नियति से पहले बुलावा आ जाए, तो सबको जाना ही होगा। लेकिन जब तक हम अपने जीवन में काम कर रहे हैं, राजनीति ही सब कुछ नहीं है। राजनीति चलती रहती है। चुनाव के बाद राजनीति को भुला देना चाहिए। हमें यह देखना चाहिए कि उस क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि कैसे आए। मैं जनता के प्यार के बल पर कड़ी मेहनत कर रहा हूं। आप सब मेरे साथ हैं। आपका प्यार और विश्वास ही मेरी ताकत है। यही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। मैं इसी प्रेम के बल पर चुनाव लड़ता हूं।" 66 साल के अजित की 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट के पास प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी। इस हादसे में उनके साथ एक सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू की जान चली गई थी।

अमेरिका में सस्ती दवाओं के लिए वेबसाइट लॉन्च करेंगे ट्रम्प, 800% तक खर्च कम होगा

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

ट्रम्प प्रशासन इस महीने 'ट्रम्प Rx' नाम की एक नई सरकारी वेबसाइट लॉन्च करने जा रहा है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए मरीज दवा कंपनियों से सीधे कम दामों पर दवाएं खरीद सकेंगे। प्रशासन का दावा है कि इस पहल से अमेरिकी लोगों के दवा खर्च को 800% तक कम किया जाएगा। अमेरिकी रेडियो NPR की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन ने पिछले साल सितंबर से अब तक 16 बड़ी दवा कंपनियों के साथ समझौते किए हैं। इन समझौतों को 'मोस्ट फेवर्ड नेशन (MFN)' डील्स कहा गया। बदले में दवा कंपनियों को 3 साल तक इम्पोर्टेड दवाओं पर टैरिफ से छूट मिलेगी। यह योजना चुनावी वादों और 'अमेरिका फर्स्ट' हेल्थ पॉलिसी से जुड़ी मानी जा रही है। ट्रम्प का कहना है कि दूसरे अमीर देश अमेरिका में बनी दवाइयां कम कीमत पर खरीदते हैं, जबकि अमेरिकियों को इसके लिए तीन गुना ज्यादा कीमत चुकाना पड़ता है। यह प्रोग्राम सुनिश्चित करेगा कि दवा कंपनियां उसी दाम पर दवा बेचे जो बाकी देशों में मिल रही है।

- **16 कंपनियों से समझौता, बदले में 3 साल का टैरिफ छूट दिया**

अमेरिकी कंपनियां को कम कीमतों पर दवा बेचना होगाः अमेरिकी कंपनियां दवाओं के रिसर्च, टेस्टिंग, फैक्ट्री करोड़ों-खरबों रुपये खर्च करती है। दुनिया भर में यह दवा बेची जाती है। अमेरिका में यह दवा बहुत महंगी है, जबकि यूरोप, कनाडा, जापान जैसे अमीर देशों में वही दवा बहुत सस्ती मिलती है। दरअसल, उन देशों की सरकार कम कीमत पर दवा खरीदने की मांग करती है और ऐसा न करने पर डील रोकने का खतरा रहता है। बाजार खोने के डर से कंपनियां कम कीमत में दवाइयां मुहैया करवाती है। ट्रम्प का मानना है कि अमेरिकी लोगों के पैसे से ही नई दवाइयां बनती हैं।

दूसरे देश कम पैसा देकर इसका फायदा उठाते हैं। ट्रम्प के मुताबिक वह अमेरिका की मेहनत पर 'फ्री राइड' करते हैं। इसलिए इस MFN प्रोग्राम में फैसला किया गया है कि अब अमेरिका में भी दवा की कीमत सबसे कम होगी जो किसी अमीर देश में मिलती है। कंपनियों से कहा गया कि अमेरिका को भी वही सस्ती डील दो। इससे विदेशी देशों को भी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी, जैसे ब्रिटेन के साथ हुए समझौते में नई दवाओं की कीमत 25% बढ़ाई गई है। अमेरिकी मरीजों को दवाएं सस्ती मिलेंगी, कंपनियों का एक्स्ट्रा पैसा अमेरिका वापस आएगा और देश में दवा बनाने का काम बढ़ेगा।

दवा कंपनियां ट्रम्प Rx से क्यों डरी हुई हैं: ट्रम्प Rx की सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें सरकार दवाओं की कीमत तय करने में सीधी दखल देना चाहती है। अभी तक अमेरिका में दवा कंपनियां अपनी नई दवाओं की कीमतें खुद तय करती हैं। अगर ट्रम्प Rx लागू होता है, तो दवाओं की कीमत सरकार तय करेगी। दवा कंपनियों को डर है कि इससे उनका मुनाफा सीधे घट जाएगा। दूसरी बड़ी वजह यह है कि ट्रम्प Rx के तहत अमेरिका, विदेशों में बिकने वाली सस्ती दवाओं की कीमत को आधार बना सकता है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-स्कूलों में लड़कियों को फ्री सैनेटरी पैड मिले, लड़के-लड़कियों के अलग टॉयलेट हों

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देश के सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूलों को निर्देश दिया कि हर स्कूल में लड़कियों को फ्री में सैनेटरी पैड बांटना अनिवार्य होगा। लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग वॉशरूम बनाने होंगे। जो स्कूल ऐसा नहीं कर पाएंगे, उनकी मान्यता रद्द की जाएगी। इसके साथ ही कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि हर स्कूल में दिव्यांगों के अनुकूल (डिसेबल फ्रेंडली) टॉयलेट बनाए जाएं। केंद्र सरकार की मासिक धर्म स्वच्छता नीति (Menstrual Hygiene Policy) को पूरे देश में लागू करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में पिछले 4 सालों से सुनवाई चल रही थी। कोर्ट ने आज सिर्फ फैसला सुनाया है। सोशल वर्कर जया ठाकुर ने 2022 में एक जनहित याचिका लगाई थी। उनकी मांग थी कि मेन्स्ट्रुयल हाइजीन पॉलिसी को पूरे देश में लागू किया जाए। अगर स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग टॉयलेट नहीं हैं तो यह संविधान के अनुच्छेद 14 (बराबरी का अधिकार) का उल्लंघन है। अगर लड़कियों को सैनिटरी पैड नहीं मिलते तो वे लड़कों की तरह बराबरी से पढ़ाई और गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले पातीं। मासिक धर्म के दौरान सम्मानजनक सुविधा मिलना संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और गरिमा का अधिकार) का हिस्सा है। अगर लड़कियों को उचित सुविधा नहीं मिलती तो उनकी गरिमा और निजता प्रभावित होती है।

> मासिक धर्म में लड़कियों के शरीर को बोझ समझा जाता है जबकि उनकी कोई गलती नहीं है।
> **सुप्रीम कोर्ट**

- **आदेश न मानने पर स्कूल की मान्यता रद्द होगी**

कोर्ट ने कहा- लड़कियों के शरीर को बोझ के रूप में देखा जाता है: कोर्ट ने कहा कि यह आदेश सिर्फ कानूनी व्यवस्था से जुड़े लोगों के लिए नहीं है। यह उन क्लासरूम के लिए भी है, जहां लड़कियां मदद मांगने में झिझकती हैं। यह उन टीचर्स के लिए है, जो मदद करना चाहते हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण बंधे हुए हैं। यह उन माता-पिता के लिए भी है, जो शायद यह नहीं समझ पाते कि उनकी चुप्पी का क्या असर पड़ता है। यह समाज के लिए भी है, ताकि प्रगति का पैमाना इस बात से तय हो कि हम अपने सबसे कमजोर वर्ग की कितनी सुरक्षा करते हैं। हम हर उस बच्ची तक यह संदेश पहुंचाना चाहते हैं, जो स्कूल में अनुपस्थिति की शिकार बनी, क्योंकि उसके शरीर को बोझ की तरह देखा गया, जबकि इसमें उसकी कोई गलती नहीं है।

दावा- अजित पवार के प्लेन कैप्टन सुमित के दोस्त बोले, उनकी ड्यूटी नहीं थी

- **पायलट ट्रैफिक में फंसा इसलिए बारामती गए, ब्रेसलेट से शव पहचाना**

एजेंसी, नई दिल्ली

महाराष्ट्र के डिप्टी CM अजित पवार की 28 जनवरी को प्लेन क्रैश में मौत हो गई। उनके अलावा कैप्टन सुमित कपूर, को-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली और अजित पवार के सुरक्षा गार्ड विदिप जाधव की भी जान चली गई। प्लेन की कमान 62 साल के कैप्टन सुमित के हाथों में थी। उनका गुरुवार को दिल्ली के पंजाबी बांग में अंतिम संस्कार किया गया। NDTV के मुताबिक, इस दौरान उनके दोस्तों ने बताया कि हादसे वाले दिन प्लेन उड़ाने की ड्यूटी सुमित की नहीं थी। प्लेन का पायलट ट्रैफिक में फंसा था। हादसे से सिर्फ कुछ घंटे पहले सुमित को ऑर्डर मिला कि उन्हें मुंबई से बारामती तक अजित पवार को चुनावी रैली के लिए ले जाना है। सुमित सीनियर और अनुभवी पायलट थे। उनके पास करीब 20,000 घंटे उड़ान का एक्सपीरियंस था। 28 जनवरी की सुबह करीब 8 बजे, कपूर ने लियरजेट 45 प्लेन से उड़ान भरी। यह विमान दिल्ली की कंपनी VSR वेंचर्स का था।

बद्रीनाथ-केदारनाथ में मोबाइल बैन करने की तैयारी

एजेंसी, देहरादून

बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले श्रद्धालुओं के लिए नए नियम बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (BKTC) इस मुद्दे पर जल्द बैठक करेगी। नए नियमों में मंदिर परिसर के अंदर मोबाइल फोन पर बैन और गैर-हिंदुओं की एंट्री पर रोक शामिल हो सकती है। BKTC के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने दैनिक भास्कर एप को बताया कि अगर कोई व्यक्ति मंदिर परिसर में फोन लेकर घूमता मिला, तो उसका मोबाइल जब्त कर लिया जाएगा और उस पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। यह बैन उन लोगों की वजह से लगाया जा रहा है, जो मंदिर परिसर में ब्लॉगिंग और वीडियो बनाते हैं। समिति का कहना है कि देश के कई बड़े मंदिरों में पहले से ऐसे नियम हैं। अब केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में भी अपने अलग नियम लागू किए जाएंगे। फोन पर बैन, ब्लॉगिंग करने वालों पर नजरः BKTC ने बताया कि दोनों धामों के अंदर एक सीमा तय करने की तैयारी की जा रही है। इस सीमा के अंदर कोई भी फोन यूज करता दिखा तो उसे तुरंत पकड़ लिया जाएगा। इसके लिए परिसर के अंदर लॉकर बनाए जाएंगे। हालांकि लॉकर कहां पर होगा और इसका कितना किराया होगा, यह अभी तय नहीं हुआ है।

राजस्थान- साध्वी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत के बाद समाधि, पिता बोले- गलत इंजेक्शन से गई जान

एजेंसी, बाड़मेर

राजस्थान की कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा (23) की विवादित मौत के बाद आज उन्हें समाधि दी गई। बाईसा को बुधवार को जोधपुर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। कुछ मिनटों बाद ही उन्होंने दम तोड़ दिया था। प्रेम बाईसा के पिता वीरमनाथ का दावा है कि उन्हें केवल मामूली जुकाम था। जोधपुर के ही आश्रम में उन्हें एक इंजेक्शन लगाया गया था, इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। हॉस्पिटल में मौत के बाद उनका एक कथित सुसाइड नोट सामने आया था। इसके बाद साध्वी से जुड़ा पुराना ब्लैकमेलिंग केस फिर चर्चा में आ गया है। वहीं, कई भक्तों ने उनके पिता की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं।

सबसे पहले पढ़िए - क्या है साध्वी से जुड़ा विवादः 13 जुलाई 2025 को सोशल मीडिया पर साध्वी का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में वे एक व्यक्ति से गले मिलते नजर आ रही थीं। इसे अश्लील बताकर प्रचारित किया गया था। साध्वी ने 16 जुलाई को बोरानाडा थाने में इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने अपनी एफआईआर में बताया था कि वीडियो में दिखने वाला व्यक्ति उनके पिता वीरमनाथ (गुरुजी) हैं। यह वीडियो 2021 का था, जब वे अवसाद में थीं और पिता ने उन्हें ढांढस बंधाया था।

- **भक्तों ने पिता पर ही सवाल उठाए**

साध्वी के पुराने साथियों की गिरफ्तारीः मामले की जांच के बाद पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें साउंड सिस्टम लगाने का काम करने वाला जोगेंद्र उर्फ जोगाराम (29), पूर्व ड्राइवर रमेश, कृष्णा (जोगेंद्र की पत्नी) और दो अन्य लोग शामिल थे। साध्वी ने आरोप लगाया था कि जोगेंद्र ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे से इसे निकाला था। इसके बाद उसने और उसके साथियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 20 लाख रुपए की मांग की। जब साध्वी ने पैसे देने से इनकार किया, तो उन्होंने 13 जुलाई 2025 को वीडियो को एडिट करके सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

भारत-अरब विदेश मंत्रियों का विशेष सम्मेलन नई दिल्ली 30- 31 जनवरी 2026:-बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की कूटनीतिक धुरी

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

- भारत में वैश्विक संवादों की बाढ़ -भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक :दस वर्षों बाद ऐतिहासिक पुनरागमन
- टैरिफ बम का हमला,इस्लामी नाटो की सुबसुबाहट के बीच, ईयू टैरिफ एग्रीमेंट के बाद,भारत -अरब विदेश मंत्रियों का विशेष सम्मेलन :कूटनीति का महाकुंभ -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर वर्ष 2026 की शुरुआत विश्व राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए असाधारण परिस्थितियों में हो रही है। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ बम से वैश्विक व्यापार में मंदी की आशंकाएँ गहराती जा रही हैं,वहीं दूसरी ओर इस्लामी देशों के बीच एक नए रणनीतिक गठजोड़,जिसे कई विश्लेषक इस्लामी नाटो की दिशा में बढ़ता कदम मान रहे हैं,ने अंतरराष्ट्रीय शक्ति संतुलन को नई दिशा दी है। ऐसे समय में भारत का वैश्विक मंच पर उभरना केवल एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद कूटनीतिक धुरी के रूप में हो रहा है।लगातार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स, बहुपक्षीय सम्मेलनों और रणनीतिक संवादों की मेज़बानी से भारत यह संकेत दे रहा है कि 21वीं सदी की वैश्विक राजनीति में वह केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक भूमिका निभाने को तैयार है।अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और बढ़ते टैरिफ दबाव के बाद दुनियाँ के कई देश वैकल्पिक आर्थिक और कूटनीतिक मंचों की तलाश में हैं। इसी पृष्ठभूमि में भारत में एक के बाद एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होना किसी संयोग का परिणाम नहीं है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के साथ ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद अब 30-31 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में 22 अरब देशों के विदेश मंत्रियों का विशेष सम्मेलन आयोजित होना भारत की कूटनीतिक क्षमता और विश्वसनीयता का प्रमाण है। यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था में भारत की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करने वाला एक मील का पत्थर साबित हो सकता है।ट्रंप,जो अपनी अमेरिका फर्स्ट नीति के लिए जाने जाते हैं,भारत के प्रति एक यथार्थवादी और सम्मानजनक दृष्टिकोण अपनाते दिखाई दे रहे हैं। लगातार भारत में हो रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और व्यापारिक समझौतों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक राजनीति में भारत को नजर अंदाज करना अब संभव नहीं है। ट्रंप द्वारा भारत का लोहा मानना इस बात का संकेत है कि अमेरिका भी यह समझ चुका है कि एशिया और वैश्विक दक्षिण में स्थिरता और आर्थिक संतुलन के लिए भारत की भूमिका अपरिहार्य है। साथियों बात अगर हम नई दिल्ली:वैश्विक कूटनीति का केंद्र इसको समझने की करें तो,30- 31 जनवरी 2026 को नई दिल्ली केवल भारत की राजधानी नहीं, बल्कि वैश्विक कूटनीति का केंद्र बन जाएगी। 22 अरब देशों के विदेश मंत्रियों की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि भारत पर वैश्विक भरोसा बढ़ रहा है। यह सम्मेलन भविष्य के कई अंतरराष्ट्रीय संवादों के लिए मार्ग प्रशस्त कर सकता है, जिनकी मेज़बानी भारत करेगा।भारत-अरब विदेश मंत्रियों का यह सम्मेलन केवल अतीत की उपलब्धियों की समीक्षा नहीं, बल्कि भविष्य की रणनीति तय करने का अवसर है। वैश्विक मंदी, क्षेत्रीय संघर्ष और ऊर्जा संक्रमण जैसे मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण विकसित करना समय की मांग है।भारत और अरब देशों की साझेदारी यदि सही दिशा में आगे बढ़ती है, तो यह न केवल दोनों पक्षों के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए स्थिरता और शांति का आधार बन सकती है। साथियों बात अगर हम भारत- अरब विदेश मंत्रियों की इस बैठक के महत्व को समझने की करें तो,यह लगभग दस वर्षों के अंतराल के बाद हो रही है।इससे पहले वर्ष 2016 में बहरीन में पहला भारत-अरब विदेशमंत्रियों का सम्मेलन आयोजित हुआ था। उस समय दोनों पक्षों ने आपसी सहयोग के लिए पाँच प्रमुख क्षेत्रों,अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, शिक्षा, मीडिया और संस्कृति,को प्राथमिकता दी थी। इन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई ठोस प्रस्ताव रखे गए थे, जिनका उद्देश्य केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना नहीं, बल्कि दीर्घकालिक साझेदारी की नींव रखना था। 2026

का सम्मेलन उसी अधूरे एजेंडे को आगेबढ़ाने का अवसर प्रदान कर रहा है।भारत और अरब देशों के संबंध सदियों पुराने हैं। प्राचीन काल से ही व्यापार, संस्कृति और ज्ञान के आदान-प्रदान ने दोनों सभ्यताओं को जोड़ा है। आधुनिक काल में यह संबंध ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी भारतीयों की उपस्थिति और रणनीतिक हितों के कारण और भी महत्वपूर्ण हो गए हैं। वर्ष 2002 में भारत और अरब लीग के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के साथ इस संवाद को संस्थागत रूप दिया गया। इसके बाद 2008 में अरब- भारत सहयोग मंच की स्थापना हुई, जिसे 2013 में संशोधित कर और अधिक व्यापक बनाया गया। भारत का 22 सदस्यीय अरब लीग का पर्यवेक्षक देश होना इस गहरे विश्वास और आपसी सम्मान का सटीक प्रतीक है। साथियों बात अगर हम दूसरे सम्मेलन से उम्मीदों और साझेदारी की नई ऊँचाइयों को समझने की करें तो,दूसरे भारत-अरब विदेश मंत्रियों के सम्मेलन से यह उम्मीद की जा रही है कि 2016 में तय किए गए सहयोग के क्षेत्रों को नई गति मिलेगी। वैश्विक अर्थव्यवस्था में आ रही अनिश्चितताओं के बीच भारत और अरब देशों के बीच व्यापार,निवेश और ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करना दोनों पक्षों के हित में है। इसके अलावा शिक्षा, मीडिया और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग से लोगों-से-लोगों के संपर्क बढ़ेंगे, जो किसी भी दीर्घकालिक साझेदारी की आत्मा होते हैं।वैश्विक व्यापार में मंदी की आशंका के बीच भारत और अरब देशों के बीच आर्थिक सहयोग नई संभावनाएँ खोल सकता है। अरब देशों के पास पूंजी और ऊर्जा संसाधनों की प्रचुरता है, जबकि भारत के पास विशाल बाजार, कुशल मानव संसाधन और तकनीकी क्षमता है। इस सम्मेलन के माध्यम से दोनों पक्ष संयुक्त निवेश परियोजनाओं, स्टार्ट-अप सहयोग और व्यापार सुगमता पर ठोस निर्णय ले सकते हैं। यह सहयोग न केवल द्विपक्षीय बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक स्थिरता में भी योगदान देगा। साथियों बात अगर हम ऊर्जा सुरक्षा, शिक्षा, मीडिया और संस्कृति के दृष्टिकोण से भारत और अरब देशों की साझा जिम्मेदारी को समझने की करें तो,ऊर्जा भारत-अरब संबंधों का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। खाड़ी देशों से भारत को तेल और गैस की आपूर्ति न केवल आर्थिक बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी अहम है। बदलते वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोजन और ऊर्जा संक्रमण जैसे विषय इस सम्मेलन के प्रमुख एजेंडे में शामिल हो सकते हैं। भारत और अरब देशों का सहयोग वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।शिक्षा,मीडिया और संस्कृतिः सॉफ्ट पावर का विस्तार-शिक्षा, मीडिया और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग केवल औपचारिक समझौतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह समाजों के बीच समझ और विश्वास को गहरा करता है। छात्र विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त मीडिया परियोजनाएँ और सांस्कृतिक उत्सव भारत और अरब दुनिया को एक-दूसरे के और करीब ला सकते हैं। यह सॉफ्ट पावर का ऐसा आयाम है, जो दीर्घकालिक संबंधों को सटीक रूप से मजबूत करता है। साथियों बात अगर हम इस्लामी नाटो की चर्चा और भारत की संतुलित भूमिका को समझने की करें तो हाल के वर्षों में इस्लामी देशों के बीच बढ़ता सामरिक सहयोग, जिसे कुछ विश्लेषक इस्लामी नाटो की संज्ञा दे रहे हैं, वैश्विक राजनीति में नए समीकरण बना रहा है। भारत, जो ऐतिहासिक रूप से गुटनिरपेक्षता और संतुलित विदेश नीति का समर्थक रहा है, इस परिदृश्य में एक स्थिर और विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभर रहा है। भारत का उद्देश्य किसी भी सैन्य गठजोड़ का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और विकास के माध्यम से शांति को बढ़ावा देना है।इस सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण पहलू फिलिस्तीन की विदेशमंत्री का बयान है, जिसमें उन्होंने भारत को इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष में संभावित शांतिदूत की भूमिका निभाने योग्य देश बताया है। उनका यह कहना कि युद्धों का समय अब समाप्त हो चुका है, और बातचीत कूटनीति तथा अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान ही आगे का रास्ता है,भारत की विदेश नीति के मूल सिद्धांतों से मेल खाता है। भारत ने हमेशा दो-राष्ट्र समाधान और शांतिपूर्ण संवाद का समर्थन किया है, जिससे उसकी विश्वसनीयता इस क्षेत्र में बनी हुई है।भारत की नैतिक और कूटनीतिक विश्वसनीयता भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी नैतिक विश्वसनीयता है। न तो वह औपनिवेशिक शोषण का प्रतीक रहा है और न ही उसने किसी क्षेत्र में आक्रामक हस्तक्षेप किया है। इसी कारण अरब दुनिया सहित वैश्विक दक्षिण के कई देश भारत को एक निष्पक्ष और भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखते हैं। फिलिस्तीन मुद्दे पर भारत की संतुलित नीति उसे संभावित मध्यस्थ की भूमिका के लिए उपयुक्त बनाती है। साथियों बात अगर हम वैश्विक दक्षिण की आवाज़ः भारत का नेतृत्व इसको समझने की करें तो,भारत स्वयं को केवल एक राष्ट्रीय शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक दक्षिण की आवाज़ के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। भारत- अरब विदेश मंत्रियों का सम्मेलन इसी दृष्टि का विस्तार है,जहाँ विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाएँ एक साझा मंच पर वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा कर सकती हैं। यह मंच पश्चिमी वर्चस्व से अलग एक वैकल्पिक संवाद का अवसर प्रदान करता है।अमेरिका की टैरिफ नीति ने कई देशों को वैकल्पिक बाजारों और साझेदारों की ओर देखने के लिए मजबूर किया है। भारत और अरब देशों के बीच मजबूत आर्थिक और कूटनीतिक संबंध इस संदर्भ में एक संतुलनकारी भूमिका निभा सकते हैं। यह सहयोग वैश्विक व्यापार प्रणाली को अधिक बहुध्रुवीय बनाने में योगदान दे सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 2026 का भारत- अरब विदेश मंत्रियों का सम्मेलन,भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है,भारत की कूटनीतिक यात्रा में एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ने जा रहा है। यह सम्मेलन भारत को वैश्विक राजनीति में एक संतुलनकारी, शांतिदूत और आर्थिक भागीदार के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। बदलती वैश्विक व्यवस्था में, जहाँ अनिश्चितता और तनाव बढ़ रहे हैं, भारत का यह कूटनीतिक महाकुंभ विश्व को संवाद, सहयोग और शांति का एक वैकल्पिक मार्ग दिखा सकता है।

-संकलनकर्ता लेखक-क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

सरकारी सेवाः निर्लज्ज आचरण के नए कीर्तिमान

लेखक- चैतन्य भट्ट

टीवी चैनलों की बहसों और रियलिटी शोज में रोने धोने का ड्रामा अब सरकारी सेवाओं में भी पैर पसारने लगा है। उत्तर प्रदेश में अयोध्या से डिप्टी जीएसटी कमिश्नर प्रशांत कुमार ने सरकार के समर्थन में अपनी सरकारी नौकरी से स्तीफा दे दिया है। हिलक हिलक कर आंसू बहाते हुए उनका एक वीडियो वायरल है। संदर्भ व्यक्तिगत परेशानी, जातिगत भेदभाव या नौकरी में पक्षपात का नहीं है। बकौल प्रशांत कुमार यह कदम उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बयान के कारण उठाया है। उनका कहना है कि वह इन नेताओं पर अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा लगाए गए आरोपों से बेहद आहत है और इसलिए राज्य सरकार के समर्थन में सरकारी सेवा से त्यागपत्र दे रहे हैं। इस्तीफे के बाद प्रशांत कुमार पर उनके सगे बड़े भाई डॉ. विश्वजीत सिंह ने फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी पाने का आरोप लगाया है। उनके मुताबिक, प्रशांत कुमार को फर्जी विकलांग सर्टिफिकेट के जरिए सरकारी नौकरी मिली थी। इस संबंध में वर्ष 2021 में दर्ज शिकायत के बाद मंडलीय चिकित्सा परिषद ने प्रशांत सिंह को मेडिकल बोर्ड के सामने जांच के लिए बुलाया, लेकिन वे पेश नहीं हुए। प्रशांत कुमार प्रशासनिक अधिकारी बनने से पहले राजनीतिक पारी भी खेल चुके हैं। वर्ष 2011 में वह अमर सिंह की पार्टी लोकमंच के जिलाध्यक्ष थे। कभी अमर सिंह के करीबी माने जाने वाले प्रशांत कुमार 2022 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में टिकट के लिए भी प्रयासरत रहे, हालांकि सफलता नहीं मिली। इसके पहले यूपी पीसीएस 2019 बैच के अधिकारी और बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री भी अविमुक्तेश्वरानंद विवाद को ब्राह्मणों के अपमान से जोड़ते हुए नौकरी से इस्तीफा देकर राजनैतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल मचा चुके हैं। यूजीसी की नई गाइडलाइन की तुलना रालेट एक्ट से करते हुए उसे भी अपने इस्तीफे का कारण बताया है। अग्निहोत्री के अनुसार उनका इस्तीफ़ा पद और प्रतिष्ठा से ऊपर स्वधर्म और स्वाभिमान है व्यक्तिगत लाभ या हानि नहीं, बल्कि समाज के प्रति उनकी जवाबदेही और अंतरात्मा की आवाज से प्रेरित है। अग्निहोत्री ने सवर्ण वर्ग का प्रतिनिधित्व करने के लिए वैकल्पिक राजनीतिक व्यवस्था बनाने का राग भी अलापा है। नवीनतम जानकारी के अनुसार अग्निहोत्री को इस इस्तीफा प्रकरण में तत्काल निलंबन रूपी तथाकथित दंड दिया गया है। सरकारी सेवकों द्वारा राजनीतिक दल या विचार धारा विशेष के प्रति पूर्वाग्रह का मामला नया नहीं है। नागरिक होने के नाते किसी भी व्यक्ति की अपनी राजनीतिक विचारधारा और दृष्टिकोण हो सकते हैं, लेकिन कार्यपालिका पदाधिकारी के रूप में, उनसे निष्पक्ष रूप से व्यापक देश और जनहित में काम करने की अपेक्षा रहती है। सरकारी सेवा के लिए निर्धारित आचरण नियम हैं जिनके अनुसार राजनीतिक दल और विचारधारा के लिए प्रतिबद्धता वर्जित है। यह मूल्य अब बिखर रहे हैं और नौकरशाही पार्टी और नेता विशेष के लिए खुलेआम प्रतिबद्ध नजर आती है। राजनीतिक दल तो छोड़िए, नेता विशेष के सत्ताधीन होते ही प्रशासनिक कसावट के नाम पर चहेते अधिकारियों की पोस्टिंग के मामले सबने देखे हैं। नौकरी छोड़कर चुनाव लड़ने के भी कितने ही उदाहरण हैं। ऐसे भी संदर्भ हैं जहां सरकारी सेवक ने नौकरी छोड़ी, चुनाव लड़ा और असफल होने पर पुनः मजे से नौकरी में वापस आ गया। सेवानिवृत्ति के बाद बड़े अफसरों की शीर्ष संवैधानिक और अन्य संस्थाओं में ताजपोशी अब स्वीकृत व्यवस्था है। इनमें वे संस्थान भी शामिल हैं जहां विषय विशेषज्ञ की जरूरत होती है। सरकारी सेवा संविधान और व्यापक जनहित के लिए काम करने के बजाय व्यक्तिगत लाभ पूरे करने का साधन बन गई है। हालांकि हमाम में सारे ही निर्वस्त्र नहीं है। ऐसे सरकारी सेवक भी हैं जिनके लिए अभी भी सेवा के मूलभूत संवैधानिक सिद्धांत ही सर्वोपरि हैं। मगर अल्पमत में होने का दंश है कि कुछ करने नहीं देता। बहरहाल सरकार के समर्थन या विरोध में खुले आम सरकारी नौकरी से स्तीफा देने की यह नई बानगियां बताती हैं कि राजनीतिक बेशर्मी नित नए कीर्तिमान रचने पर उतारू है।

कनाडा के प्रधानमंत्री की स्वदेशी अपनाने की अपील का संदेश

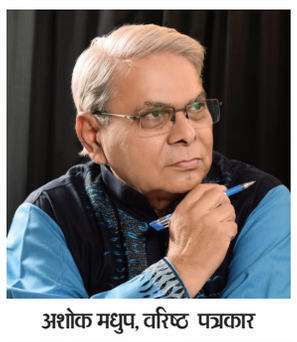

अशोक मधुप, वरिष्ठ पत्रकार

कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने देश के नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की है। ट्रंप प्रशासन द्वारा कनाडाई उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी को देखते हुए ये अपील की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह चीन के साथ व्यापार समझौता करता है तो वह कनाड़ा पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप की इस चेतावनी के बाद एक वीडियो संदेश में कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पाद अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 'कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बाहरी दबाव है। ऐसे में कनाडा के लोगों के पास यही रास्ता है कि वो ही सामान खरीदें, जो कनाडा में बने हों। दूसरे देश क्या करते हैं, हम उसे नियंत्रित नहीं कर सकते। जो हमारे नियंत्रण में है उसपर फोकस करें। हम ही कनाडा के सबसे अच्छे ग्राहक हैं और हमें कनाडा में बने उत्पाद खरीदने चाहिए ताकि देश को मजबूत बनाया जा सके। अमेरिका और कनाडा दोनों देशों के बीच ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद तल्खी तब और बढ़ गई जब ट्रंप ने कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही, हालांकि पिछले साल कार्नी ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि कनाडा बिकाऊ नहीं है। आज जो हालात कनाडा के साथ हैं, वही दुनिया के कई अन्य देशों के साथ हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कभी भारत तो धमकी देते हैं तो कभी चीन को । ग्रीनलैंड का समर्थन करने वाले देशों को भी इस तरह की उनकी हाल में धमकी आई है। इस तरह की धमकी एक व्यापक वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है। बड़ी शक्तियों छोटी शक्ति और देशों को दबाकर रखना चाहती हैं। वे छोटे और सम्प्रभू देशों को अपना गुलाम बनाकर रखना पसंद करती है। अपने पर निर्भर बनाए रखना चाहती है। इस तरह के आसन्न खतरे को भारत ने पहले ही भांप लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी समय से स्वदेशी अपनाने पर वैसे ही नही जोर दे रहे। भारत में स्वदेशी का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विचार को आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से नया आयाम दिया है। वोकल फॉर लोकल का नारा देते हुए उन्होंने देशवासियों से भारतीय उत्पादों को अपनाने और उन्हें वैश्विक बनाने का आह्वान किया है। यह दृष्टिकोण केवल आर्थिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव और आत्मसम्मान से भी जुड़ा हुआ है। जब हम अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं, तो हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं। दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम होगी। उनका हम पर दबाव कम होगा। स्वदेशी की अवधारणा को समझने के लिए हमें महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन को याद करना होगा। गांधीजी ने स्वदेशी को केवल आर्थिक रणनीति के रूप में नहीं देखा था, बल्कि इसे स्वराज और आत्मनिर्भरता के व्यापक दर्शन का हिस्सा माना था। उनका मानना था कि जब तक हम आर्थिक रूप से परतंत्र रहेंगे, तब तक वास्तविक स्वतंत्रता संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और चरखे से बने खादी को अपनाने पर जोर दिया। गांधीजी के लिए चरखा केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं था, बल्कि यह आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक था। दरअस्ल अंग्रेजों के शासन से पहले जरूरत का सारा सामान हमारे यहां गांव –गांव और आसपास में पैदा होता है। जरूरत का काफी सामान हम अपने घर तैयार कर लेते थे। अंग्रेजों ने इस व्यवस्था को बड़े- बड़े उद्योग लगाकर खत्म कर दिया। महात्मा गांधी ने स्वदेशी का महत्व समझा । उनका स्वदेशी आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हथियार बना । उन्होंने लोगों को समझाया कि जब हम विदेशी वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो हम न केवल अपने देश की संपत्ति को बाहर भेज रहे हैं, बल्कि अपने कारीगरों और श्रमिकों को भी बेरोजगार कर रहे हैं। उनका मानना था कि प्रत्येक भारतीय को अपने गांव और अपने देश में बनी वस्तुओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। यह विचार इतना प्रभावशाली था कि लाखों भारतीयों ने विदेशी कपड़ों की होली जलाई और खादी को अपनाया। यह आंदोलन केवल आर्थिक नहीं था, बल्कि इसने राष्ट्रीय चेतना को जगाने और लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज की वैश्वीकृत दुनिया में स्वदेशी की अवधारणा नए अर्थ और महत्व प्राप्त कर रही है। कनाडा पर ट्रंप की टैरिफ धमकी यह दर्शाती है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार कितना अनिश्चित और राजनीतिक रूप से प्रभावित हो सकता है। जब कोई देश किसी दूसरे देश पर आर्थिक दबाव बनाना चाहता है, तो व्यापार शुल्क एक प्रमुख हथियार बन जाता है। ऐसी स्थिति में जो देश अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत रखते हैं, वे बेहतर तरीके से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। यही कारण है कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने नागरिकों से देश में बने उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया है। भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल इसी दिशा में एक व्यापक और दूरदर्शी कदम है। इस अभियान का उद्देश्य केवल आयात को कम करना नहीं है, बल्कि भारत को विनिर्माण, नवाचार और तकनीकी विकास का एक वैश्विक केंद्र बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं है, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय और मजबूत भागीदार बनना है। जब भारतीय उत्पाद गुणवत्ता और नवाचार में उत्कृष्ट होंगे, तो वे न केवल घरेलू बाजार में सफल होंगे बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी जगह बनाएंगे। स्वदेशी को अपनाने का अर्थ यह नहीं है कि हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार या वैश्वीकरण के खिलाफ हैं। बल्कि यह एक संतुलित दृष्टिकोण है जो घरेलू उद्योगों को मजबूत करते हुए वैश्विक बाजार में भागीदारी को भी बढ़ावा देता है। जब हमारे उद्योग मजबूत होंगे, तो हम बेहतर शर्तों पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भाग ले सकेंगे। यही कारण है कि भारत मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से घरेलू उत्पादन और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। जब हम स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं, तो हम अपने देश के कारीगरों, किसानों, छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों की आजीविका का समर्थन करते हैं। भारत जैसे देश में जहां बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती है, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है। छोटे और मध्यम उद्योग जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, तभी फल-फूल सकते हैं जब उन्हें पर्याप्त घरेलू बाजार मिले। पर्यावरण की दृष्टि से भी स्वदेशी उत्पादों का महत्व बढ़ जाता है। जब हम स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो परिवहन से होने वाला कार्बन उत्सर्जन कम होता है। साथ ही, स्थानीय उत्पादन अक्सर पारंपरिक और टिकाऊ तरीकों का उपयोग करता है जो पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। गांधीजी ने भी कहा था कि पृथ्वी के पास हर व्यक्ति की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन किसी के लालच को पूरा करने के लिए नहीं। स्वदेशी की अवधारणा इसी सिद्धांत पर आधारित है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां व्यापार युद्ध और आर्थिक राष्ट्रवाद बढ़ रहा है, स्वदेशी की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। कोविड-19 महामारी ने भी हमें सिखाया कि अत्यधिक आयात निर्भरता कितनी खतरनाक हो सकती है। जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट गईं, तो कई देशों को आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना करना पड़ा। भारत ने इस संकट से सीख लेते हुए दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, और अन्य आवश्यक वस्तुओं के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया है।कभी हम न मास्क बनाते थे। न सेनेंटाइजर, न अन्य उपकरण। करोनाकाल में हमने कोशिश की और आत्म निर्भर ही नही हुए। देश की बनी करोना वैक्सीन कई देशो को दी। स्वदेशी को सफल बनाने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जब हम खरीदारी करते हैं तो हमें यह देखना चाहिए कि वह उत्पाद कहां बना है और किसके द्वारा बनाया गया है। छोटे निर्णय जैसे स्थानीय बाजार से खरीदारी करना, हस्तशिल्प को बढ़ावा देना, और भारतीय ब्रांड्स को चुनना, सामूहिक रूप से बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। यह केवल आर्थिक निर्णय नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी का प्रश्न है।

अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

हर दौर में प्रासंगिक रहेंगे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

लेखक- भूपेश गुप्ता

30 जनवरी भारतीय इतिहास की वह अमर तारीख है, जो आते ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की याद दिला देती है। 30 जनवरी 1948 को दिल्ली में प्रार्थना सभा के मार्ग पर, नाथूराम गोडसे की गोली ने गांधी के शरीर को तो समाप्त कर दिया, पर उनके विचारों को नहीं। भारत इस दिन को शहीद दिवस के रूप में मनाते हुए उस महामानव को श्रद्धांजलि अर्पित करता है जिसने सत्य, अहिंसा और नैतिक साहस को राजनीति की सबसे बड़ी शक्ति बनाया। 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर में जन्मे मोहनदास करमचंद गांधी ने अपने जीवन के छह दशक संघर्षों में तपकर 'महात्मा' का स्वरूप पाया। उनका सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने आज़ादी की लड़ाई को केवल सत्ता परिवर्तन का आंदोलन नहीं रहने दिया, बल्कि उसे जन-जन का नैतिक आंदोलन बना दिया। जिस ब्रिटिश साम्राज्य के बारे में कहा जाता था कि उसके साम्राज्य में सूर्य अस्त नहीं होता, उसे गांधी ने अहिंसा और सत्याग्रह के बल पर झुकने को मजबूर कर दिया। आज जब विश्व तीसरे विश्वयुद्ध की आशंकाओं से घिरा दिखाई देता है, तब गांधी और अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध की लंबी त्रासदी हो या इज़राइल-फिलिस्तीन के बीच गाज़ा में मानवता को झकझोरता रक्तपात हो, इन सबने

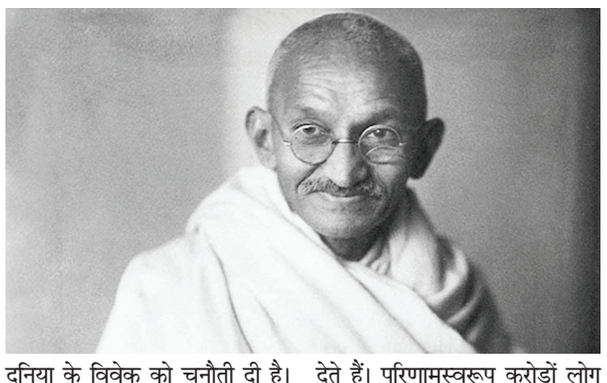

दुनिया के विवेक को चुनौती दी है। शक्तिशाली राष्ट्र हथियारों, व्यापार-युद्ध और वैश्विक राजनीतिक दबावों के माध्यम से छोटे देशों पर अपनी शर्तें थोपने की कोशिश करते दिखाई देते हैं। परिणामस्वरूप करोड़ों लोग विस्थापित हैं, जीवन असुरक्षित है और मानवीय संवेदनाएँ लगातार कमजोर पड़ रही हैं। इतिहास बताता है कि पिछली सदी ने दो महायुद्धों की विनाशलीला देखी। हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमले आज भी सभ्यता पर लगा वह दाग हैं जो मानवता को भयभीत कर देते हैं। विज्ञान के विकास के साथ विनाश की क्षमता भी बढ़ी और यही मानव इतिहास का सबसे बड़ा विरोधाभास है। ऐसे दौर में गांधी का संदेश एक चेतावनी भी है और एक समाधान भी। उन्होंने कहा था -जीत वह नहीं जिसमें शत्रु पर विजय हो—जीत वह है जिसमें हिंसा पर विजय हो। गांधी का सत्याग्रह केवल सिद्धांत नहीं था, वह एक व्यावहारिक रणनीति भी थी। दक्षिण अफ्रीका में उन्होंने नस्लभेद और अपमान के विरुद्ध भारतीयों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। 1903 में 'इंडियन ओपिनियन' जैसे समाचार पत्र के माध्यम से उन्होंने अंग्रेज सत्ता को अभिव्यक्ति की खुली चुनौती दी। बैरिस्टर के रूप में वहां पहुँचे गांधी ने 1894 से 1914 तक सत्याग्रह को जन-आंदोलन का रूप दिया और दुनिया को दिखा दिया कि अन्याय के विरुद्ध सबसे बड़ी शक्ति नैतिकता है। गोपालकृष्ण गोखले जी के आग्रह पर गांधी 1915 में भारत लौटे। उन्होंने तीन वर्षों तक देश का भ्रमण कर भारतीय समाज की नब्ज़ को पहचाना। 1917 में चंपारण में नील की खेती करने वाले किसानों के पक्ष में उनका सत्याग्रह ब्रिटिश शासन के लिए पहली बड़ी चुनौती बना।

आस्ट्रेलियाई ओपन में दोहराया गया इतिहास

● किसी कपल ने 37 साल बाद लगातार दूसरे साल जीता खिताब ● डबल्स खिताब जीतने वाली गादेकी और पीयर्स 62 साल में पहली ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी बन गए

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में ओलिविया गादेकी और जॉन पीयर्स की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने इतिहास रच दिया है। इस ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने मिक्स्ड डबल्स फाइनल में फ्रांस की क्रिस्टिना मलादेनोविक और मैनुएल गिनार्ड की जोड़ी को हराकर खिताब जीत लिया है। इसके साथ ही वे ऑस्ट्रेलियन ओपन के इतिहास में लगातार दूसरी बार ये खिताब जीतने वाली 37 साल में पहली जोड़ी बन गए हैं। इतना ही नहीं किसी ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने लगातार दूसरे साल खिताब जीतने का कारनामा 62 साल बाद किया है। इस जोड़ी ने फाइनल में फ्रांसीसी जोड़ी को पहला सेट हारने के बाद कड़े संघर्ष के बीच 4-6, 6-3 और 10-8 से हराकर खिताब अपने नाम किया है।

1989 में हुआ था आखिरी बार ऐसा- ऑस्ट्रेलियन ओपन के इतिहास में आखिरी बार 1989 में ऐसा हुआ था, जब कोई जोड़ी अपने मिक्स्ड डबल्स खिताब का बचाव करने में सफल रही थी। तब यह रिकॉर्ड याना नोवोत्ना और जिम पुघ की जोड़ी ने बनाया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए लगातार दो साल ऑस्ट्रेलियन ओपन

मिक्स्ड डबल्स खिताब जीतने वाली जोड़ी मार्ग्रेट कोर्ट और केन फ्लेचर की थी, जिन्होंने 62 साल पहले ऐसा किया था।

पहला सेट जीतकर फ्रांसीसी जोड़ी ने बना ली थी पकड़- फ्रांसीसी जोड़ी ने पहला सेट 6-4 से जीतकर बढ़त बना ली थी। उन्होंने मैच पर अपनी पकड़ बनाने का संकेत दिया था, लेकिन अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेल रही ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने दूसरे सेट में शानदार वापसी कर ली।

टाईब्रेकर में भी पिछड़ रही थी ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी

रॉड लेवर एरिना में खेले गए फाइनल मुकाबले में टाईब्रेकर के दौरान भी स्टैंड्स में बैठे ऑस्ट्रेलियाई दर्शक तब मायूस दिख रहे थे, जब गादेकी और पीयर्स की स्थानीय जोड़ी 5-7 से पिछड़ गई थी। मैच पूरी तरह फ्रांसीसी जोड़ी के कब्जे में दिख रहा था। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने जबरदस्त संघर्ष करते हुए पलटवार किया और टाईब्रेकर को 10-8 से अपने नाम कर लिया। उन्होंने अपने दूसरे चैंपियनशिप पॉइंट पर जैसे ही जीत हासिल की, पूरे स्टेडियम में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी के साथ इस जोड़ी का नाम इतिहास के पन्ने पर लिखा जा चुका था।

डीकॉक का 100वें टी20 मैच में शतक

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज से श्रृंखला जीती

सेंचुरियन (एजेंसी)। क्विंटन डीकॉक ने अपने 100वें टी20 मैच में शतक जड़ा जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल की। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर चार विकेट पर 221 रन बनाए। उसकी तरफ से शिमरोन हेटमायर (77) और ब्रेंडन किंग (49) ने दूसरे विकेट के लिए 126 रन की साझेदारी की जबकि शेरफेन रदरफोर्ड ने 24 गेंद पर नाबाद 57 रन की तूफानी पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि डीकॉक की 49 गेंदों में 115 रन की मदद से 17.3 ओवर तीन विकेट पर 225 रन बनाकर 15 गेंद शेष रहते ही जीत हासिल कर ली। डीकॉक ने डेवाल्ड ब्रेविस से उधार लिए बल्ले से खेलते हुए अपनी पारी में छह चौके और 10 छक्के लगाए। यह उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। रयान रिकेल्टन ने भी अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। उन्होंने 36 गेंदों में 77 रन की पारी खेली जिसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल हैं। कप्तान एडन मार्क्रम (15) के जल्दी आउट हो जाने के बाद डीकॉक और रिकेल्टन ने दूसरे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की। श्रृंखला का तीसरा मैच शनिवार को खेला जाएगा, जिसके बाद दोनों टीमें अगले सप्ताह भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए रवाना होंगी।

पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं: उच्च न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया।

याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए। बृज भूषण के वकील द्वारा मुख्य वकील की अनुपलब्धता का हवाला देते हुए स्थगन का अनुरोध किए जाने पर अदालत ने सवाल किया कि याचिकाकर्ता द्वारा इस मामले पर अभी तक बहस क्यों नहीं की गई है। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, आप इस पर बहस क्यों नहीं कर रहे हैं? आपने याचिका दाखिल की है, लेकिन इस पर एक बार भी बहस नहीं हुई है। इस पर बृज भूषण के वकील ने भरोसा दिलाया कि अगली तारीख पर याचिका पर बहस की जाएगी। अदालत ने साफ कहा, %कोई रोक नहीं है। यह स्पष्ट किया जाता है कि निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई स्थगन नहीं है। सिंह ने वर्ष 2024 में उच्च न्यायालय का रुख करते हुए कहा था कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है और उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। अपनी याचिका में उन्होंने आरोप लगाया कि जांच पक्षपातपूर्ण तरीके से की गई और केवल पीड़ितों के बयानों को ही आधार बनाया गया।

न्यूजीलैंड के साथ आखिरी टी20 आज

मैच के लिए तिरुवनंतपुरम में पहुंची भारतीय टीम

● संजू की फॉर्म पर सुरेश रैना का साफ मैसेज, वर्ल्ड कप में बताई जीत की कुंजी

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारियों के बीच भारतीय क्रिकेट को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। इसी कड़ी में भारत के पूर्व स्टार बल्लेबाज और वर्ल्ड कप विजेता सुरेश रैना ने टीम इंडिया के संभावित कॉम्बिनेशन पर खुलकर अपनी राय रखी है। खास तौर पर उन्होंने संजू सैमसन की मौजूदा फॉर्म को लेकर बड़ा बयान दिया है। रैना का मानना है कि खराब आंकड़ों के बावजूद सैमसन जैसे खिलाड़ी को लगातार मौके देना भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सूर्यकुमार यादव से की तुलना- वर्ल्ड लेजेंड्स प्रो टी20 लीग के दौरान मीडिया से बातचीत में रैना ने सैमसन की स्थिति की तुलना सीधे सूर्यकुमार यादव से की। उनके अनुसार, लगभग एक साल तक सूर्या रन नहीं बना पाए थे, लेकिन टीम ने उन्हें लगातार मौके दिए। वही भरोसा अगर संजू को मिला, तो वह भी मैच विनर बनकर उभर सकते हैं।

- **टॉप-4 को बताया भारत का 'इंजन रूम'-** सुरेश रैना के एनालिसिस का सबसे अहम हिस्सा भारत का टॉप-4 बल्लेबाज़ी क्रम रहा। उन्होंने कहा कि यही चार बल्लेबाज़ तय करेंगे कि टीम 170 पर रुकेगी या 210 के पार जाएगी। रैना के मुताबिक, टॉप-4 का काम सिर्फ टिककर खेलना नहीं, बल्कि शुरुआती बढ़त को बड़े स्कोर में बदलना है।
- **अभिषेक शर्मा-ईशान किशन की जोड़ी से उम्मीद-** रैना ने अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की ओपनिंग जोड़ी की खुलकर तारीफ की। उन्होंने उनकी निडर बल्लेबाज़ी को भारत के लिए बड़ा हथियार बताया। उनका कहना है कि यह जोड़ी पहले 10 ओवर में ही 140-150 रन बनाने या चेज़ करने की क्षमता रखती है। लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन गेंदबाज़ों पर अतिरिक्त दबाव बनाता है।

संजू सैमसन पर रैना का साफ संदेश

सुरेश रैना ने साफ कहा कि संजू सैमसन की हालिया फॉर्म पर जरूरत से ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है। जनवरी 2025 के बाद से उनका औसत भले ही 20 से नीचे रहा हो, लेकिन रैना के मुताबिक क्लास कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने टीम मैनेजमेंट को सलाह दी कि सैमसन के साथ वही धैर्य दिखाया जाए, जो एक समय सूर्यकुमार यादव के मामले में दिखाया गया था। रैना ने कहा कि जब सूर्या रन नहीं बना पा रहे थे, तब भी कप्तान और कोच ने उन पर भरोसा बनाए रखा, और नतीजा सबके सामने है।

- **सूर्यकुमार यादव बने संजू सैमसन के 'बॉडीगार्ड'-** एयरपोर्ट पर रास्ता कराया खाली; वायरल हो रहा भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां और आखिरी टी20 मैच तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेलना है। ये मैच संजू सैमसन के घरेलू राज्य में है। संजू की लोकप्रियता पूरे भारत में कम नहीं है और अपने राज्य में तो वह और ज्यादा ही फेमस हैं। इसी को लेकर सूर्यकुमार यादव ने एयरपोर्ट पर उनके मजे ले लिए। संजू जब टीम से बाहर होते हैं तो उनके फैंस सोशल मीडिया पर बवाल काट देते हैं। उनके बाहर जाने के बाद फैंस सेलेक्शन कमेटी से लेकर कप्तान और कोच को भी आड़े हाथों ले लेते हैं। उनकी दीवानगी तिरुवनंतपुरम में भी देखने को मिली।
- **सूर्यकुमार यादव ने लिए मजे-** पांचवें मैच के लिए भारतीय टीम तिरुवनंतपुरम पहुंच चुकी है। टीम जब फ्लाइट से उतरी और एयरपोर्ट से बाहर आ रही थी तो सूर्यकुमार और संजू साथ में ही थे। सूर्यकुमार ने यहीं से संजू के मजे लेने शुरू कर दिए। उन्होंने कहा, 'साइड में हटो, साइड में हटो। प्लीज रास्ता बनाओ। चेट्टा को डिस्टर्ब मत करो।' फिर जब संजू एस्केलेटर से उतर रहे थे तब सूर्यकुमार ने पूछा, 'भगवान के देश में लैंड किया है।'

किंग कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट कुछ घंटों तक गायब रहने के बाद फिर एक्टिव हुआ

बंगलूर (एजेंसी)। क्रिकेट के किंग विराट कोहली के प्रशंसकों के लिए शुक्रवार की सुबह किसी झटके से कम नहीं थी। अचानक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम से विराट कोहली का आधिकारिक अकाउंट गायब हो गया जिससे उनके 27.4 करोड़ (274 फॉलोअर्स के बीच हड़कंप मच गया।... हालांकि कुछ घंटों के रहस्य और सस्पेंस के बाद अब विराट का अकाउंट फिर से एक्टिव हो गया है।

सुबह-सुबह फैंस को लगा झटका

30 जनवरी 2026 की सुबह जब फैंस ने इंस्टाग्राम पर विराट कोहली की प्रोफाइल सर्च की तो वहां दिस पेज इज नाट अलेविल का मैसेज दिखाई दिया। देखते ही देखते एक्स पर विराट कोहली ट्रेंड करने लगा। लोग कयास लगाने लगे कि क्या विराट ने सोशल मीडिया से संन्यास ले लिया है या उनका अकाउंट हैक हो गया है। रहस्य तब और गहरा गया जब खबर आई कि विराट के भाई विकास कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट भी उसी समय गायब हो गया है।

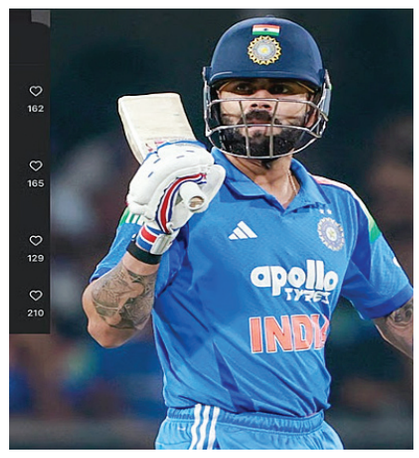

क्या थी वजह?

विराट कोहली या उनकी टीम की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं आया है लेकिन जानकारों का मानना है कि यह इंस्टाग्राम के सर्वर या किसी तकनीकी खराबी के कारण हो सकता है।पिछले कुछ समय से विराट अपनी प्राइवेसी को लेकर काफी गंभीर रहे हैं। फैंस का मानना था कि शायद उन्होंने परिवार के साथ समय बिताने के लिए अकाउंट डीएक्टिवेट किया हो।

व्यापार

चिंताजनक: निर्यात पर बढ़ता नियंत्रण और कार्बन कर व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ते निर्यात नियंत्रण, विकसित देशों के प्रौद्योगिकी देने से इन्कार और कार्बन कर व्यवस्था वास्तव में वैश्वीकरण के अंत का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में भारत में स्वदेशी नीतियों पर ध्यान देना अपरिहार्य और आवश्यक है। भारत को आयात प्रतिस्थापन, रणनीतिक मजबूती एवं रणनीतिक अनिवार्यता की अपनी निकट, मध्यम और दीर्घकालिक नीतिगत प्राथमिकताओं को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। समय बर्बाद करने का कोई औचित्य नहीं है। यह एक ही समय में मैराथन और तेजी से दौड़ने जैसा है या मैराथन को स्प्रिंट की तरह दौड़ना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से बृहस्पतिवार को संसद में पेश आर्थिक समीक्षा 2025-26 में कहा गया है कि वर्तमान में कोई भी देश ऐसे वातावरण में काम कर रहा है, जहां कच्चा माल, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच को निर्बाध या स्थायी नहीं माना जा सकता है। ऐसी परिस्थितियों में स्वदेशी एक रक्षात्मक और आ ामक नीतिगत साधन बन जाता है। यह बाहरी झटकों के बावजूद उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने का एक माध्यम है।

भारत बनेगा दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले एक दशक में भारतीय आसमान की तस्वीर पूरी तरह बदलने वाली है। विमान बनाने वाली दुनिया की दिग्गज कंपनी एयरबस ने भविष्यवाणी की है कि साल 2035 तक भारत में कमर्शियल विमानों की संख्या तीन गुना बढ़कर 2,250 हो जाएगी। हैदराबाद में चल रहे विंग्स इंडिया 2026 कार्य्र म के दौरान एयरबस ने यह रिपोर्ट जारी की है, जिसके मुताबिक भारत जल्द ही दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक उड्डयन बाजार बनने जा रहा है।

इस ऐतिहासिक विस्तार के पीछे सबसे बड़ी वजह भारत की मजबूत होती अर्थव्यवस्था है। एयरबस का मानना है कि जी-20 देशों में भारत की विकास दर सबसे तेज है और सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर पर भारी खर्च कर रही है, जिससे हवाई सफर की मांग बढ़ रही है। रिपोर्ट में एक दिलचस्प आंकड़ा यह भी दिया गया है कि आम भारतीयों के व्यवहार में बदलाव आ रहा है। अगले दस वर्षों में प्रति व्यक्ति हवाई यात्रा का औसत 0.13 से बढ़कर 0.29 होने की उम्मीद है। इसी वजह से भारत में हवाई यात्रियों की संख्या हर साल 8.9 फीसदी की दर से बढ़ेगी, जो दुनिया की किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था के मुकाबले सबसे तेज रफ्तार होगी। एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया के प्रेसिडेंट जुर्गेन वेस्टरमीयर ने बताया कि ग्लोबल एविएशन का केंद्र अब पश्चिम से पूर्व की ओर खिसक रहा है। उनका कहना है कि भारत के विमानों का बेड़ा बढ़ने से न सिर्फ घरेलू कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि भारत अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए भी एक प्रमुख केंद्र या हब बनकर उभरेगा। इस सपने को पूरा करने के लिए एयरबस के ए321 एक्सएलआर और ए350 जैसे विमान लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की कमान संभालेंगे, जबकि ,320 फैमिली के विमान घरेलू नेटवर्क को मजबूत करेंगे। विमानों की यह बढ़ती संख्या देश में रोजगार की भी एक नई बहार लेकर आएगी। इतने बड़े बेड़े को संभालने के लिए भारी संख्या में स्किल्ड वर्कफोर्स की जरूरत होगी। एयरबस के अनुमान के मुताबिक, 2035 तक भारत को 35,000 पायलटों की जरूरत होगी, जो मौजूदा 12,000 की संख्या से करीब तीन गुना ज्यादा है।

यूरोपीय संघ के साथ एफटीए से भारतीय निर्यातकों को मिलेगा बड़ा बाजार: मूडीज

नई दिल्ली, एजेंसी। मूडीज रेटिंग्स ने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौता भारत को अपने व्यापारिक संबंधों में विविधता लाने में मदद करेगा। साथ ही अमेरिकी शुल्कों के कारण बढ़ती अनिश्चितता के बीच निर्यातकों को व्यापक बाजार तक पहुंच मिलेगी। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की घोषणा 27 जनवरी को की गई थी। इसके इसी साल हस्ताक्षरित और लागू होने की संभावना है। मूडीज ने कहा, भारत के लिए, यह समझौता व्यापारिक संबंधों को चुनिंदा रूप से विविधतापूर्ण बनाने के उसके प्रयासों को दर्शाता है। साथ ही यह अमेरिका के शुल्क बढ़ाने से पैदा होने वाली व्यापारिक अस्थिरता के खिलाफ बचाव प्रदान करता है। इसमें कहा गया कि यूरोपीय संघ के लिए यह समझौता तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार तक पहुंच बढ़ाकर आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करता है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एफटीए लागू होने के बाद यह व्यापार की मात्रा बढ़ाने, व्यापार प्रवाह के विविधीकरण को प्रोत्साहित करने और स्थिर बाजार पहुंच देने में मदद करेगा और यह दोनों पक्षों की साख के लिए सकारात्मक होगा।

सोना आम आदमी की पहुंच से हुआ दूर

भारत में 11 प्रतिशत घट गई डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। कीमतों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने और उपभोक्ताओं के खरीद व्यवहार में बदलाव के कारण वर्ष 2025 में भारत की सोने की मांग में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की गुरुवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सोने की कुल मांग 2025 में गिरकर 710.9 टन रह गई, जो 2024 में 802.8 टन थी। परिषद का अनुमान है कि 2026 में देश में सोने की मांग 600 से 700 टन के बीच रह सकती है। हालांकि, कीमतों में भारी उछाल के कारण मूल्य के संदर्भ में सोने की मांग 30 प्रतिशत बढ़कर 7,51,490 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष यह 5,75,930 करोड़ रुपये थी। डब्ल्यूजीसी ने बताया, वर्ष, 2025 की चौथी तिमाही में सोने की मांग पर ऊंची कीमतों और उपभोक्ताओं के बदलते व्यवहार का असर स्पष्ट दिखा। मात्रा के आधार पर इस तिमाही में मांग नौ प्रतिशत गिरकर 241.3 टन रही, लेकिन मूल्य के आधार पर यह 49 प्रतिशत बढ़कर करीब 3,03,470 करोड़ रुपये हो गई। वर्ष 2025 के दौरान आभूषणों की कुल मांग 24 प्रतिशत घटकर 430.5 टन रही, जो 2024 में 563.4 टन थी। हालांकि, मूल्य के लिहाज से यह 12 प्रतिशत बढ़कर 4,54,390 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले साल 4,04,510 करोड़ रुपये रही थी। शादियों के सीजन के बावजूद ऊंची कीमतों और महंगाई के कारण आभूषणों की ब्रि ी में 23 प्रतिशत की कमी आई। 2025 में सोने ने 60 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया और 53 बार सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ।

सर्राफा मार्केट में सोने का भाव 6865 और चांदी का 22825 रुपये टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी का रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद आज उनकी कीमतों में भूचाल है। गुरुवार के बंद भाव के मुकाबले 24 कैरेट सोना आज 6865 रुपये सस्ता हुआ है। वहीं, चांदी ने 22825 रुपये की भारी गिरावट दर्ज की है। जीएसटी समेत चांदी का भाव अब 367877 रुपये प्रति किलो पर आ गया है। जबकि, 24 कैरेट गोल्ड का रेट अब जीएसटी समेत 173529 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं, प्लैटिनम भी 8287 रुपये टूटकर 80465 पर आ चुका है। इस गिरावट के बावजूद इस साल केवल 30 दिनों में चांदी 126743 रुपये महंगी हो चुकी है। जबकि, सोने के भाव 35280 रुपये चढ़ा है। आज चांदी का भाव बिना जीएसटी 357163 रुपये प्रति किलो पर खुला।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स को मिला 1800 करोड़ का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी डिफेंस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर इस समय फोकस में हैं। कंपनी को पवन हंस लिमिटेड, नोएडा ने एक बड़ा वर्क ऑर्डर दिया है। पिछले एक साल में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि उन्हें पवन हंस लिमिटेड से 1800 करोड़ रुपये का काम मिला है। इस वर्क ऑर्डर के अनुसार कंपनी को 10 ध्रुव एनजी हेलीकॉप्टर्स सप्लाई करने को कहा है। बता दें, कंपनी को यह वर्क ऑर्डर 2027 में पूरा करना है।

आज शेयरों में गिरावट- बीएसई में आज यह डिफेंस स्टॉक आज 4616.05 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयरों में शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी देखने को मिली थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)